सुविचार
सबसे ज्यादा दर्द दुश्मन नहीं देते, वे लोग देते हैं, जिन्हें हम अपना मानते हैं।
-मुंशी प्रेमचंद

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ●Friday, 08 May 2026 ●Year : 05 ●Issue : 112 ●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Alia Bhatt Begins Shooting For Sohum Shah's Tumbbad 2...

राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री से विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह ने की मुलाकात

- सीएम ने 5 लाख रुपये का सौंपा चेक, अंगवस्त्र व स्मृतिचिह्न भेंटकर किया सम्मानित
- युवा खिलाड़ियों की उपलब्धियां आने वाली पीढ़ी को और बनाएगी ऊर्जावान

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची के सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इशांक को उसकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। साथ ही उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने इशांक को 5 लाख रुपये का चेक, स्मृतिचिह्न व अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। बता दें कि रांची के इशांक सिंह ने 30 अप्रैल 2026 को 9 घंटे 50 मिनट तैरकर भारत और श्रीलंका के बीच स्थित चुनौतीपूर्ण पाल्क स्ट्रेट को पार करते हुए अपने नाम विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया है। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ईशान सिंह ने पाक स्ट्रेट पार कर देश और दुनिया में झारखंड प्रदेश का नाम रोशन कर दिखाया है। मौके पर मुख्यमंत्री ने सराहना करते हुए कहा कि तैराकी के क्षेत्र में इनकी सफलता पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने कहाकी झारखंड में हमारी सरकार ने एक बेहतर खेल नीति बनाई है, जिसका लाभ यहां के खिलाड़ियों को मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा झारखंड के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सात वर्षीय बाल तैराक इशांक सिंह भविष्य में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का मान बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल तैराक इशांक ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। इनकी सफलता राज्य के अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। राज्य के भीतर इशांक सिंह जैसे प्रतिभाशाली बच्चों को बेहतर प्लेटफॉर्म मिले इस निमित्त राज्य सरकार उन्हें हर संभव मदद करेगी।

झारखंड बधिर क्रिकेट टीम को राज्यपाल व सीएम ने दी बधाई

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को लोक भवन में झारखंड बधिर क्रिकेट संघ के खिलाड़ियों के एक शिष्टमंडल ने मुलाकात की। संघ के अध्यक्ष दीपक यादव के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने राज्यपाल को बताया कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद टीम ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया और टी-20 डीफ क्रिकेट टूर सीरीज ऑफ इंडिया 2026 में शानदार खेल दिखाते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया। राज्यपाल ने खिलाड़ियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, समर्पण और टीम भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति से साबित किया है कि चुनौतियां सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बन सकतीं।

SHARE

सेंसेक्स	:	77,844.52
निफ्टी	:	24,326.65

SARAFA

सोना	:	14,125
चांदी	:	275.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

बिहार और झारखंड में सबसे बड़े करदाता बने एमएस धोनी

RANCHI : आयकर विभाग ने 2025-26 के दौरान झारखंड और बिहार से कुल मिलाकर लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का कर जुटाया है। यह जानकारी गुरुवार को को एक वरिष्ठ आयकर अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि दोनों राज्यों को मिलाकर व्यक्तिगत करदाताओं में सबसे अधिक कर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने चुकाया है। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (बिहार-झारखंड), डॉ. डी. सुधाकर राव ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बिहार और झारखंड से कुल वसूली लगभग 20 हजार करोड़ रुपये थी, जिसमें से 12 हजार करोड़ रुपये केवल झारखंड से वसूले गए।

चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को भ्रष्टाचार के मामले में मौत की सजा

BEIJING : चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों- वी फेंघे और ली शांगफू को गुरुवार को भ्रष्टाचार के आरोपों में दो साल की राहत के साथ मौत की सजा सुनाई गई। आधिकारिक मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, चीन की सैन्य अदालत ने उन्हें अलग-अलग सजा दी। एजेंसी ने अदालत के फैसलों का जिक्र करते हुए कहा कि फेंघे को रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराया गया, वहीं शांगफू को रिश्वत लेने और देने दोनों के मामले में गुनहगार करार दिया गया।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के 22 दिन बाद कैबिनेट में शामिल हुए मिनिस्टर

बिहार में मंत्रिमंडल का विस्तार 32 नए मंत्रियों ने ली शपथ

गांधी मैदान में भव्य समारोह का किया गया आयोजन, पीएम मोदी रहे मौजूद

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश के बेटे निशांत कुमार पहली बार बनाए गए मंत्री

- भाजपा से 15, जदयू से 13, लोजपा (आर) से दो और हम-आरएलएम से एक-एक विधायक बने मंत्री
- 25 मिनट तक चले कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों ने लिया ओथ
- दो बार स्वास्थ्य मंत्री रह चुके मंगल पांडेय को इस बार कैबिनेट में नहीं मिली जगह

AGENCY PATNA : बिहार में सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के 22 दिन बाद गुरुवार को कैबिनेट का विस्तार किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश के बेटे निशांत कुमार समेत 32 नए मंत्रियों ने शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कैबिनेट में बीजेपी से 15, जेडीयू से 13, लोजपा (आर) के 2, हम और आरएलएम से एक-एक मंत्री हैं। 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में एक साथ 5-5 विधायकों को शपथ दिलाई गई। पहली बार में निशांत कुमार, श्रवण कुमार, विजय सिन्हा, लेसी सिंह, और दिलीप जायसवाल ने शपथ ली। निशांत कुमार पहली बार मंत्री बने हैं। अब सम्राट कैबिनेट में कुल 34 मंत्री हो चुके हैं। जदयू कोटे से 2 डिप्टी सीएम मुख्यमंत्री के साथ पहले ही शपथ ले चुके हैं।

गांधी मैदान में बने विशाल पंडाल में पूर्वाह्न 12 बजकर 10 मिनट से आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा तथा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री ने नीतीश कुमार को अपने पास बुलाया। मंच पर उनसे हाथ मिलाया, इस दौरान नीतीश कुमार ने पीएम का कंधा पकड़कर हिलाया। कार्यक्रम की शुरूआत में सीधे राष्ट्रगान बजाया गया, जबकि प्रोटोकॉल के हिसाब से पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम बजाया जाना था। दो बार बिहार के स्वास्थ्य मंत्री रहे मंगल पांडेय को इस बार कैबिनेट में जगह नहीं मिली है।

पीएम मोदी का हुआ रोड शो

बिहार की राजधानी पटना में गुरुवार को एयरपोर्ट से गांधी मैदान तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो हुआ। सड़क के दोनों किनारों पर जनता की भारी भीड़ ने उनका अभिनंदन किया। समर्थकों ने देर तक फूलों की बारिश की। इस दौरान पीएम मोदी लोगों का अभिवादन करते हुए दिखे।

इन विधायकों को मंत्री बनने का मिला मौका

मंत्रिपरिषद विस्तार में नीतीश कुमार सरकार के अधिकतर पूर्व मंत्रियों को फिर से स्थान दिया गया है, जबकि कई नए चेहरों को भी मौका मिला है। भाजपा कोटे से विजय कुमार सिन्हा, रामकृपाल यादव, केदार गुप्ता, नीतीश मिश्रा, मिथिलेश तिवारी, रमा निषाद, दिलीप जायसवाल, श्रेयसी सिंह,प्रमोद चंद्रवंशी, लखविंदर पासवान, संजय टाइगर, इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र, नंद किशोर राम, रामचंद्र प्रसाद और अरुण शंकर प्रसाद को मंत्री बनाया गया है। जदयू कोटे से निशांत कुमार, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, रत्नेश सदा, मदन सहनी, लेसी सिंह, श्वेता गुप्ता, बुलो मंडल, दामोदर रावत, भगवान सिंह कुशवाहा, सुनील कुमार, शीला मंडल और जमा खान को मंत्री बनाया गया है। विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव पहले से मंत्री हैं। चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) से संजय सिंह व संजय पासवान, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी हम से संतोष सुमन और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो से दीपक प्रकाश मंत्री बने हैं।

पाकिस्तान में कोई भी आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी : भारतीय सेना

- पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ करवाई राष्ट्रीय सुरक्षा की नई रणनीति का संकेत
- ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ पर जयपुर में किया गया प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन

AGENCY JAIPUR : गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नई रणनीतिक नीति का संकेत है। सेना ने दो टूक कहा कि अब पाकिस्तान में कोई भी आतंकवादी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक लड़ाई की शुरूआत है। जयपुर स्थित साउथ वेस्टर्न कमांड में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति, उपलब्धियों और उसके प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। सेना ने इस अभियान को पिछले कई दशकों में पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का सबसे व्यापक और समन्वित सैन्य अभियान बताया। पत्रकार वार्ता में इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के डिप्टी चीफ (ऑपरेशन) लेफ्टिनेंट जनरल जुबिन ए. मिनवाला, डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, डायरेक्टर जनरल एयर ऑपरेशन एयर मार्शल अवधेश कुमार तथा डायरेक्टर जनरल नेवल ऑपरेशन वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम ने वीर सैनिकों के शौर्य को किया नमन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, पराक्रम और कर्तव्यनिष्ठा को नमन किया। उन्होंने कहा कि एक वर्ष पहले भारतीय सेना ने पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए हमले का मुंहतोड़ जवाब देते हुए अद्वितीय साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया।

साहिबगंज के रांगा में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, ताला तोड़कर घर में घुसी पुलिस

- स्थानीय पुलिस के सहयोग से बिहार एसटीएफ ने गाछी केंदुआ गांव में की छापेमारी
- लेथ मशीन सहित 16 अर्धनिर्मित पिस्टल, मैगजीन के अलावा अत्याधुनिक उपकरण भी बरामद

PHOTON NEWS SAHEBGANJ : साहिबगंज जिले के रांगा थाना क्षेत्र में मिनी गन फैक्ट्री चल रही थी। इसका खुलासा तब हुआ, जब बिहार की एसटीएफ ने छापेमारी की। रांगा थाने की पुलिस के सहयोग से बिहार एसटीएफ ने गुरुवार को गाछी केंदुआ गांव में ईदगाह के पास एक घर में छापा मारकर मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया। छापेमारी के समय घर बंद था, लिहाजा ताला तोड़कर पुलिस अंदर घुसी। वहां पिस्टल बनाने वाली वाली लेथ मशीन के अलावा 16 अर्धनिर्मित पिस्टल, मैगजीन समेत हथियार बनाने के कई आधुनिक उपकरण भी बरामद किए गए। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों बिहार में कुछ अपराधियों को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ में उन्होंने ही इस गन फैक्ट्री के बारे में बताया था, फिर उनकी निशानदेही पर ही यह कार्रवाई की गई।

यूपी के ललितपुर में चेकडैम में डूबे पांच युवक, तीन की मौत

BANDA : गुरुवार को उत्तर प्रदेश में ललितपुर जिले के महरौनी क्षेत्र में नहाते समय चेकडैम में पांच युवक डूब गए, जिनमें से तीन की मौत हो गई। महरौनी क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) रक्षपाल सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृत युवकों की पहचान मध्य प्रदेश के अशोकनगर के रहने वाले मिथुन (30), धर्मेंद्र (20) और धीरज (22) के रूप में हुई है। बाकी दो युवकों को बचा लिया गया है।

उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपरलीक मामले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, भेजा गया जेल

- रांची पुलिस ने सहरसा से सिलीगुड़ी के कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय के क्लर्क को किया अरेस्ट
- पुलिस की पूछताछ के दौरान अमृत राज उर्फ बुलबुल ने कबूल किया अपना जुर्म

PHOTON NEWS RANCHI : रांची पुलिस ने उत्पाद सिपाही परीक्षा पेपर लीक मामले में एक और आरोपी को दबोच लिया है। पुलिस ने बिहार के सहरसा में छापामारी कर बंगाल के सिलीगुड़ी में कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय में क्लर्क के तौर पर काम करने वाले अमृत राज उर्फ बुलबुल को गिरफ्तार किया है। अमृत राज को पेपर लीक मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद अमृत राज का नाम सामने आया था। इसके बाद से पुलिस अमृत राज के ठिकाने पर नजर रखे हुए थी। रांची पुलिस को सूचना मिली कि अमृत राज छुट्टी पर अपने घर सहरसा आया है।

पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। इसके बाद पुलिस ने अमृत राज को जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही अमृत राज को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके लिए कोर्ट में आवेदन दे दिया गया है। अमृत से पूछताछ में उसके पूरे नेटवर्क का पता लगाया जाएगा।

भविष्य की चिंता | कारगर कदम नहीं उठाए गए तो गंभीर होती जाएगी चुनौती

अंधाधुंध भू-जल दोहन के कारण बढ़ता जा रहा पानी का संकट

PHOTON NEWS, RESEARCH DESK : प्रकृति प्रदत्त पानी सभी जीवों के जीवन के लिए अनिवार्य तत्व है। प्राकृतिक रूप से इसका उपयोग होने पर जलचक्र के माध्यम से यह संतुलित रूप में बने रहता है। अंधाधुंध उपयोग के कारण जलचक्र के संतुलन में गड़बड़ी आती है, तो जल संकट पैदा होता है। इससे सूख का संकट पैदा होता है। पिछले कई दशकों में बढ़ते तापमान और अधिक भू-जल दोहन के कारण पानी का संकट बढ़ गया है। पर्यावरण और कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक भू-जल दोहन का अर्थ है जमीन के नीचे मौजूद पानी को प्राकृतिक रूप से उसके पुनर्भरण की दर से अधिक तेजी से बाहर निकालना। पानी का संकट इस दोहन, जनसंख्या वृद्धि और प्रदूषण के कारण स्वच्छ पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की कमी की स्थिति है। इससे जलस्तर गिरता है, जमीन धंसती है और जल स्रोत सूख जाते हैं। भारत के संदर्भ में इस विषय से जुड़े विशेष अध्ययन ने संकट की गंभीरता की ओर संकेत किया है। यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी की ग्लोबल वाटर बैंकरप्सी रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में जल संकट और सूखे का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इसका सबसे गंभीर असर गंगा के मैदानी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत में देखा जा रहा है। कमजोर मानसून, बढ़ते तापमान और भूजल के अत्यधिक दोहन ने देश में जल संकट को एक नए और खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया है। रिपोर्ट में स्थिति का विस्तृत विश्लेषण करते हुए बताया गया है कि यदि कारगर कदम नहीं उठाया जाता है, तो भविष्य में चुनौती और गंभीर हो जाएगी।

रिसर्च के निष्कर्ष को विस्तार से क्लाइमेट चेंज जर्नल में किया गया है प्रकाशित

- यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी की ग्लोबल वाटर बैंकरप्सी रिपोर्ट में किया गया है खुलासा
- अब केवल पर्यावरण संबंधी मुद्दा नहीं रह गया है जगह-जगह बढ़ रहा वॉटर क्राइसिस
- जल संसाधनों की कमी के कारण देशों और समाजों के बीच बढ़ सकता है संघर्ष
- सूखे की समस्या और प्रभाव को रोकने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण जरूरी

- मानव गतिविधियों की वजह से बढ़ता तापमान समस्या को बना रहा गंभीर

जलवायु के बन रहे नए असामान्य पैटर्न

इंटरनेशनल जर्नल क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित रिसर्च के अनुसार, भारत के छह प्रमुख क्षेत्रों- पश्चिमी, केंद्रीय, हिमालयी, गंगा का मैदानी क्षेत्र, प्रायद्वीपीय और उत्तर-पूर्वी भारत में सूखे और हाइड्रो-क्लाइमेटिक अस्थिरता में स्पष्ट वृद्धि दर्ज की गई है। सूखा मापने के संकेतकों से पता चलता है कि देश में शुष्कता तेजी से बढ़ रही है। जलवायु के नए असामान्य पैटर्न बन रहे हैं। मैदानी क्षेत्र (-0.47) और उत्तर-पूर्व (-0.41) में सूख सूचकांक सबसे अधिक गिरावट दशार्ते हैं, जो गंभीर सूखे का संकेत हैं। हिमालय (-0.21) और मध्य भारत (-0.07) अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं।

कम वर्षा से घटी नमी

रिपोर्ट में इस महत्वपूर्ण तथ्य की ओर इंगित किया गया है कि जल संकट अब केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन चुका है। रिपोर्ट से जुड़े विशेषज्ञ कावेह मदानी के मुताबिक, जल संसाधनों की कमी भविष्य में देशों और समाजों के बीच संघर्ष को बढ़ा सकती है। दिन और रात दोनों समय तापमान में वृद्धि और वर्षा में कमी से इन क्षेत्रों में नमी तेजी से घट रही है। ऐसी स्थिति में यह अत्यंत जरूरी है कि प्राकृतिक रूप से उपलब्ध जल संसाधनों का हर स्तर पर संरक्षण किया जाए।

पूजा सिंघल के पति के विदेश जाने की अनुमति पर फैसला सुरक्षित

RANCHI : मनरेगा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी आईएएस पूजा सिंघल के आरोपी पति अभिषेक झा ने कोर्ट से विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। इस संबंध में उन्होंने पीएमएलए कोर्ट में याचिका दायर की थी। गुरुवार को कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई, लेकिन अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा है। ज्ञात हो कि पिछले दिनों पूजा सिंघल ने भी सिंगापुर जाने की अनुमति मांगी थी। अदालत ने उन्हें सिंगापुर जाने की अनुमति दे दी है। इसके बाद उनके पति अभिषेक झा ने भी अदालत में याचिका दायर कर अपनी बेटी के इलाज के लिए सिंगापुर जाने की अनुमति मांगी है।

सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने देश में एयरस्पेस देने से किया इनकार

- क्राउन प्रिंस की नाराजगी के बाद ट्रंप ने होर्मुज से जहाजों का रोका रेस्क्यू

NEW DELHI @ PTI : सऊदी अरब ने अमेरिका को एयर स्पेस देने से मना कर दिया है। इस बीच यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई कि क्राउन प्रिंस की नाराजगी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज से जहाजों का रेस्क्यू रोक दिया है। गौरतलब है कि अमेरिका ने 4 मई को होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही शुरू करने के लिए ह्यप्रोजेक्ट फ्रीडमह्न शुरू किया था। अब यह दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब की वजह से अमेरिका को यह कदम उठाना पड़ा। एनसीसी न्यूज के मुताबिक सऊदी अरब ने इस मिशन में शामिल अमेरिकी विमानों को अपने एयरस्पेस और एयरबेस के इस्तेमाल की इजाजत देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने अचानक सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का ऐलान कर दिया था। इससे खाड़ी के सहयोगी देश चौंक गए। सऊदी लीडरशिप इससे नाराज हो गया। ट्रंप ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत भी की, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला समझौता तैयार है।

BRIEF NEWS

चतरा में ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

CHATRA : पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पत्थलगडा थाना क्षेत्र के नावाडीह भेलवारा मोड़ के पास पुलिस ने छापेमारी कर लगभग 10 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपित का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। इसमें हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि भेलवारा मोड़ के पास एक युवक नशीले पदार्थ की खरीद-बिक्री के लिए पहुंचा है। सूचना मिलते ही सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ लिया। पुलिस को देखते ही युवक भागने की कोशिश करने लगा लेकिन जवानों की सतर्कता से वह मौके पर ही दबोच लिया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान गिद्धौर थाना क्षेत्र के केंदुआ गांव निवासी सुरेंद्र कुमार पासवान (25) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से लगभग 10 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर बरामद किया गया। इसके अलावा एक होंडा शाइन बाइक और एक ओप्पो स्मार्टफोन भी जब्त किया गया है। आरोपित मोबाइल के माध्यम से ग्राहकों और गिरोह के अन्य सदस्यों से संपर्क करता था।

एसबीआई ने मृत महिला के परिजन को दिया दो लाख का चेक

KHUNTI : भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शाखा लोधमा ने गुरुवार को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मृत महिला के परिजनों को दो लाख रुपये की बीमा राशि दी। जानकारी के अनुसार, ग्राम जरिया, पंचायत हाकाजांग, प्रखंड कर्रा, जिला खूंटी निवासी और जीवन ज्योति महिला मंडल से जुड़ी संतोषी देवी का निधन 18 अगस्त 2024 को हो गया था। उनका प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमा कराया गया था। बैंक की शाखा लोधमा में उनके पति मोहन गोप और तीन बच्चों को दो लाख की बीमा राशि का चेक सौंपा गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक प्रशांत झा ने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षा कवच का कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सरकारी बीमा योजनाओं से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में बैंक के सभी कर्मियों के साथ बीपीएम शम्मा परवीन, सीसी, लखिन्द्र गुन्दुवा, पॉलिना जोजो, बैंक सखी सरिता देवी, पदाधिकारी बिमला दादेल, रीना नाग, प्रियंका कुमारी, पुनीत कुमारी, रिया कुमारी एवं महिला समूह के सदस्य उपस्थित थे।

पांकी में प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत

PALAMU : पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र में गुरुवार को प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत हो गई। मरीज के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। जानकारी के अनुसार, बुधवार को पांकी के डंडारकला गांव निवासी पप्पू ठाकुर की पत्नी दुर्गा कुमारी (22) को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में महिला की हालत बिगड़ रही थी, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। काफी देर तक समुचित इलाज की व्यवस्था नहीं की गई। स्थिति अधिक खराब होने पर गुरुवार की सुबह उसे मेदिनीनगर स्थित मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों के मुताबिक एमएमसीएच पहुंचने के बाद जांच के दौरान डॉक्टरों ने जच्चा और बच्चा दोनों को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पांकी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मियों और डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय पर बेहतर इलाज और रेफरल की व्यवस्था की जाती, तो मां और बच्चे की जान बचाई जा सकती थी। परिजनों ने पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

पीएलएफआई के तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार व पर्चा बरामद

खूंटी के कर्रा थाना अंतर्गत मुरहू जंगल में चलाए गए विशेष अभियान में पकड़ाए

PHOTON NEWS KHUNTI : झारखंड के खूंटी के कर्रा थाना क्षेत्र के मुरहू जंगल में चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में पश्चिम सिंहभूम जिले के बंदगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत जलासर गांव निवासी सैमुएल गुड़िया (20), धीरज स्वांसी (19) और सुनील स्वांसी (28) शामिल हैं। मौके पर पुलिस ने आरोपितों के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, पीएलएफआई के पांच पर्चे, दो मोबाइल फोन और एक पहचान पत्र बरामद किया है। उन्होंने बताया

जंगल में तलाशी अभियान चलाते सुरक्षा बल के जवान

कि पीएलएफआई दस्ता के कुछ हार्डकोर सदस्य कर्रा के मुरहू जंगल में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने, संगठन विस्तार करने और लेवी वसूली की योजना को लेकर बैठक करने वाले हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए तोरपा एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में विशेष छापेमार टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जंगल क्षेत्र में छापेमारी कर तीनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार उग्रवादियों ने गत 30 अप्रैल को कर्रा थाना क्षेत्र में रेलवे निर्माण कार्य में लगे वाहनों पर फायरिंग, आगजनी और पीएलएफआई का पर्चा चिपकाने की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपितों ने यह भी कबूला कि पिछले दिनों तोरपा थाना क्षेत्र में भारत गैस एजेंसी संचालक के वाहन पर हुई फायरिंग की घटना में भी वे शामिल थे। गिरफ्तार उग्रवादियों में शामिल सैमुएल गड़िया का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ तपकरा थाना में आर्म्स एक्ट एवं 17 सीएलए एक्ट की संगीन धाराओं में दर्ज है। इस अभियान में तोरपा एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा, पुलिस उपाधीक्षक रामप्रवेश कुमार, पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार, कर्रा थाना प्रभारी दीपक कांत कुमार, जरियागढ़ थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार, रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल और तकनीकी शाखा की टीम शामिल थी।

रात में प्रेमिका से मिलने पहुंचा प्रेमी, ग्रामीणों ने पकड़कर करा दी शादी

KODERMA : कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के तेतरौन पंचायत अंतर्गत नावाडीह गांव में बुधवार को देर रात प्रेमी-प्रेमिका को युवती के घर में आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। इसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। बाद में ग्रामीणों और दोनों पक्षों की मौजूदगी में युवक ने युवती की मांग में सिंदूर भरकर उससे शादी कर ली। हालांकि मामला यहीं नहीं रुका और सूचना मिलने पर पुलिस दोनों को थाना ले गई। जानकारी के अनुसार चलकुशा थाना क्षेत्र के कटघरा निवासी दिनेश यादव का नावाडीह गांव की एक युवती से करीब एक वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती के पिता ने बताया कि परिवार के सदस्य इलाज के सिलसिले में सदर अस्पताल कोडरमा गए थे और युवती घर में अकेली थी। इसी दौरान देर रात को दिनेश यादव उससे मिलने पहुंच गया। इधर, गांव के कुछ लोगों को युवक के घर में होने की भनक लग गई। इसके बाद ग्रामीण युवती के घर पहुंच गए और दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। मामले की सूचना युवती के परिजनों को दी गई, जिसके बाद देर रात तक गांव में पंचायत जैसा माहौल बना रहा। ग्रामीणों और दोनों परिवारों की सहमति से युवक ने युवती की मांग में सिंदूर भरकर उसे पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। मौके पर गांव के कई लोग मौजूद रहे।

पेट दर्द से परेशान युवक के मलद्वार से निकली बोतल

PALAMU : पलामू जिले में एक अप्रत्याशित घटना सामने आई है। युवक पेट दर्द से परेशान था। जब शरीर का अल्ट्रासाउंड किया गया तो उसके प्राइवेट पार्ट (मलद्वार) में 200 एमएल की कोल्डड्रिंक बोतल मिली। चिकित्सकों ने काफी मशक्कत कर उसे बाहर निकाला। पड़वा थाना क्षेत्र के लामीपतरा के झरी गांव का 30 वर्षीय युवक पेट दर्द से छटपटा रहा था। बुधवार को परिजन इलाज के लिए उसे मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल (एमएमसीएच) ले गए। डाक्टरों ने उसका एक्स-रे कराया, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद गुरुवार को पूरे शरीर का अल्ट्रासाउंड कराया गया, जिससे प्राइवेट पार्ट के रास्ते पेट के अंदर कोल्डड्रिंक की बोतल घुसी हुई नजर आई। एमएमसीएच के डॉक्टरों ने गुरुवार को करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद बोतल को बाहर निकाला। एमएमसीएच में डॉ. सुशील पांडेय के नेतृत्व में डॉ. सव्यसाची मेहरा और डॉ. सुमित ने पंप के सहारे बोतल निकाली। डॉक्टरों के अनुसार, युवक की हालत अब खतरे से बाहर है। हालांकि युवक और उसके परिजन इस संबंध में पुलिस को कुछ भी बता नहीं पा रहे हैं। ऐसे में मामला स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना की जानकारी मिलने पर पड़वा थाना की पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुलिस पता लगा रही है कि किसी ने युवक के प्राइवेट पार्ट में बोतल डाली या उसने नशे की हालत में खुद डाल ली। परिजनों को आशंका है कि नशे की हालत में उसके कुछ दोस्तों ने इस तरह की घिनौनी हरकत की है।

गढ़वा में फुआ को बचाने में भतीजा भी डैम में डूबा, दोनों की हो गई मौत

मेराल थाना क्षेत्र के गोबरदाहा गांव स्थित हड़बड़िया डैम में हुई दुर्घटना

PHOTON NEWS GARHWA : गढ़वा जिले के मेराल थाना क्षेत्र अंतर्गत चामा पंचायत के गोवरदाहा गांव में गुरुवार को हड़वड़िया डैम में डूबने से फुआ व भतीजे की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गोवरदाहा गांव निवासी अजीमुद्दीन खान की बेटी जैनब खातून (13) अचानक डैम में डूबने लगी, डूबती हुई फूआ को देखकर रिश्ते में भतीजा लगने वाला सोहेल खान (16) जान की परवाह किए बिना डैम में कूद गया।

वह फुआ को बचाने की कोशिश करने लगा, लेकिन पानी अधिक होने के कारण दोनों डूब गए। घटना की जानकारी मिलते ही डैम

डैम के पास जुटे ग्रामीण व शव की तलाश करते गोताखोर

के पास परिजनों व ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इस बीच स्थानीय लोगों ने मेराल के सीओ यशवंत नायक व थाना प्रभारी विष्णुकांत को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और गोताखोरों की मदद से खोजबीन शुरू कराई। लगभग दो घंटे के बाद दोनों को डैम से निकाला गया, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार के पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, झामुमो के जिला अध्यक्ष शंभू राम, मुखिया प्रतिमा देवी, विजय विश्वकर्मा आदि भी घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढाढस बंधाते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिया। मुखिया प्रतिमा देवी ने कहा कि सरकारी प्रावधान के अनुसार हरसंभव मदद एवं आपदा राहत से मुआवजा दिलाने का प्रयास करूंगी। गढ़वा के सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया।

कोडरमा में पेड़ पर लटका मिला पेट्रोल टैंकर के चालक का शव

PHOTON NEWS KODERMA : कोडरमा जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक टैंकर चालक का शव पेड़ से लटका मिला। रात में फोन पर उसकी किसी व्यक्ति से तीखी नोकझोंक हो रही थी। सुबह में मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने पेट्रोल पंप के पीछे पेड़ पर झूलती लाश देखी, तो पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान गिरिडीह जिले के कोवार निवासी नितेश यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, नितेश अपने सहयोगी पंकज कुमार के साथ बुधवार को जसीडीह से ईंधन लेकर डोमचांच के बगड़ो स्थित पेट्रोल पंप पहुंचा था। पंकज ने बताया कि रात करीब 10 बजे पेट्रोल पंप पहुंचने के बाद नितेश ने उससे टैंकर खाली करने को कहा और खुद किसी से फोन पर बात

घटनास्थल पर जुटी भीड़ व छानबीन करते पुलिस पदाधिकारी

करने लगा। पंकज के अनुसार, नितेश किसी बात को लेकर परेशान था। जसीडीह से डोमचांच तक पूरे रास्ते उसकी फोन पर किसी व्यक्ति से लगातार तीखी बहस हो रही थी। जब पंकज इस बारे में जानना चाहा तो नितेश ने टाल दिया। उसने कोई जानकारी नहीं दी। टैंकर खाली करने के बाद पंकज लौटा तो नितेश वहां नहीं था। उसने कई बार फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर वह गाड़ी में जाकर आराम करने लगा। सूचना पाकर डोमचांच के थाना प्रभारी अजीत कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के जख्म के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बिजली के तार की चपेट में आकर वृद्ध की मौत

KHUNTI : मुरहू थाना क्षेत्र के गोड़ाटोली गांव में गुरुवार को 11 हजार वोल्ट के हाई वोल्टेज विद्युत तार की चपेट में आने से पांडा मुंडा (62) नामक वृद्ध की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब पांडा मुंडा गांव के पास खेत में मवेशी चरा रहे थे। जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम करीब पौने चार बजे तेज हवा के बाद बूंदाबांदी के दौरान अचानक 11 हजार वोल्ट का बिजली तार टूटकर पांडा मुंडा के ऊपर गिर गया।

करंट की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि बारिश से बचने के लिए उन्होंने छाता ओढ़ रखा था। स्थानीय लोगों के अनुसार घटना से कुछ देर पहले इलाके में तेज हवाएं चली थीं, जिससे बिजली का तार टूट गया। घटना की सूचना मिलते ही मुरहू थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

कामेश्वर पांडे की हत्या में गैंगस्टर अमन दोषी करार

RAMGARH : जिले के श्रीवास्तव गिरोह की ओर से पतरातू के कामेश्वर पांडे (70) की हत्या मामले की सुनवाई अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान पुलिस की रिपोर्ट और कई गवाह पेश हुए। सभी साक्ष्य और गवाहों के आधार पर एडीजे-1 ने गुरुवार को इस कांड के मुख्य आरोपी रहे सुशील श्रीवास्तव के बेटे अमन श्रीवास्तव को दोषी करार दिया। इसके अलावा अमन श्रीवास्तव को इस कांड में सहयोग करने वाले लखन साव को भी अदालत ने दोषी करार दिया है। सजा के बिंदु पर 15 मई को अदालत अपना फैसला सुनाएगी। उल्लेखनीय है कि कामेश्वर पांडेय की हत्या तब कर दी गई थी जब वे पतरातू में लगे सब्जी बाजार में सब्जी खरीदने गए थे। इसी दौरान श्रीवास्तव गिरोह के शूटर ने उन पर ताबड़तोड़ गोली चलाई थी। इस मामले में पवन किशोर पांडे ने मामला दर्ज कराया था। अमन श्रीवास्तव वर्तमान में रांची के होटवार जेल में बंद है। उसने क्षेत्र में दहशत फैलाने और वर्चस्व कायम करने के लिए एक ऐसे वृद्ध व्यक्ति की हत्या करवाई थी, जिसका किसी भी आपराधिक मामलों से कोई संबंध नहीं था। पवन किशोर पांडे ने कामेश्वर पांडे की हत्या के मामले में तीन लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया था। इसमें गणेश सिंह उर्फ जयप्रकाश सिंह, लखन साव और अमन श्रीवास्तव अदालत में अभियोजन पक्ष की ओर से गणेश सिंह उर्फ जय प्रकाश सिंह के खिलाफ कोई साक्ष्य और कोई गवाह प्रस्तुत नहीं किया गया। मामले में अदालत ने गणेश सिंह को दोष मुक्त करार दिया। साथ ही मामले में लखन साव और अमन श्रीवास्तव को दोषी करार दिया। अदालत में एपीपी श्रद्धा जया टोपनो ने सरकार की तरफ से अपना पक्ष रखा। वहीं बचाव पक्ष की ओर से झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता बीएन त्रिपाठी और रामगढ़ के अधिवक्ता महेंद्र महतो ने बहस की।

राजनीति बाबूलाल ने कहा- प्रिंस खान का विदेश से जारी वीडियो राज्य की कानून-व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न

एसएसपी पर लगे आरोपों की जांच कराएं हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS DHANBAD: झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने धनबाद के कुख्यात अपराधी प्रिंस खान द्वारा विदेश से जारी वीडियो को सोशल मीडिया के अपने एक्स हैंडल पर साझा करते हुए राज्य सरकार पर करारा हमला किया है। मरांडी ने लिखा है कि झारखंड के लोकतांत्रिक इतिहास में आज एक बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति सामने आई है, जहां कानून की रक्षा करने वाली व्यवस्था स्वयं गंभीर सवालों के घेरे में खड़ी दिखाई दे रही है। धनबाद क्षेत्र के एक कुख्यात अपराधी द्वारा कथित रूप से विदेश से जारी वीडियो ने प्रशासनिक तंत्र और माफिया गठजोड़ को लेकर कई गंभीर आरोपों को सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया है। यह मामला केवल एक व्यक्ति के बयान तक सीमित नहीं, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक विश्वसनीयता पर बड़े प्रश्नचिह्न खड़े करता है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सवालिया लहजे में पूछा है कि क्या राज्य का प्रशासनिक तंत्र माफियाओं के प्रभाव में काम कर रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि वीडियो में धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) प्रभात कुमार पर लगाए गए आरोप अत्यंत गंभीर हैं। गरीब और कमजोर लोगों को निशाना बनाकर उनकी जमीनों पर कब्जा कराने का प्रयास, माइनिंग माफियाओं और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच गठजोड़ की आशंका, वर्दी और सत्ता के प्रभाव का इस्तेमाल भय और दबाव बनाने के लिए करने जैसे आरोप एसएसपी पर लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन आरोपों में तनिक भी सच्चाई है, तो यह केवल

बाबूलाल मरांडी

पीएम को भी किया टैग

मरांडी द्वारा इस पोस्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, प्रधानमंत्री कार्यालय, गृहमंत्री कार्यालय, ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स को भी टैग किया गया है।

प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गहरा संकट है। सीएम को इन आरोपों की जांच करानी चाहिए। मरांडी ने आगे लिखा है कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन अधिकारियों पर इतने गंभीर आरोप लग रहे हों, उनके विरुद्ध निष्पक्ष जांच और जवाबदेही सुनिश्चित करने के बजाय उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी क्यों सौंपी जा रही है। इससे जनता के बीच यह संदेश जाता है कि सत्ता और प्रभाव के आगे न्याय व्यवस्था कमजोर पड़ रही है।

मरांडी ने कहा कि एक जिम्मेदार नागरिक और विपक्ष की भूमिका निभाते हुए हमने संयम बरता है। समाज में भय और अराजकता का माहौल न बने, इसलिए वीडियो का केवल संपादित अंश ही सार्वजनिक कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि वे सोशल मीडिया पर वायरल ये पूरा वीडियो मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत रूप से उपलब्ध करा देंगे, ताकि सीएम ये न कह सकें कि उनको इस मामले की जानकारी ही नहीं थी या फिर उनके अधीन काम करने वाले लोगों ने इसके बारे में उन्हें जानकारी ही नहीं दी।

मरांडी ने संबंधित अधिकारी को तत्काल प्रभाव से पद से हटाने, पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, माइनिंग माफिया, भूमि कब्जा और प्रशासनिक संरक्षण से जुड़े सभी आरोपों की न्यायिक निगरानी में जांच कराने, दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

मरांडी ने कहा कि झारखंड की जनता यह देख रही है कि सरकार कानून के शासन के साथ खड़ी है या माफिया तंत्र के दबाव में काम कर रही है। लोकतंत्र में सत्ता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता का विश्वास बनाए रखना है। अब निर्णय सरकार के हाथ में है न्याय और पारदर्शिता का रास्ता चुना जाएगा या फिर आरोपों और अविश्वास के इस माहौल को और गहरा होने दिया जाएगा।

रामगढ़ में गैस सिलेंडर की मूल्यवृद्धि के खिलाफ झामुमो का धरना-प्रदर्शन

AGENCY RAMGARH : गैस सिलेंडर के मूल्य वृद्धि के खिलाफ झामुमो सड़क पर उतर गया है। केंद्रीय समिति के निर्देश पर गुरुवार को पार्टी की जिला समिति ने समाहरणालय के समक्ष आक्रोशपूर्ण धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र सरकार की ओर से घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में की गई बढ़ोत्तरी का विरोध किया गया। झामुमो नेताओं ने कहा कि छोटे गैस सिलेंडर में 261 रुपए और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर में 993 रुपए की अप्रत्याशित वृद्धि से जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा। इस अप्रत्याशित मूल्य वृद्धि से ठेला लगाने वाले, छोटे होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट संचालक और आम उपभोक्ता बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। महंगाई का सीधा असर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों

धरना को संबोधित करते झामुमो नेता

पर पड़ रहा है। झामुमो नेताओं ने कहा कि इसी मुद्दे को लेकर सभी स्थानों पर विरोध प्रदर्शन और धरना आयोजित किए जा रहे हैं। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता केंद्रीय सदस्य महेंद्र मुंडा और संचालन पूर्व केंद्रीय सदस्य महेश ठाकुर ने की। धरना समाप्ति के बाद झामुमो के प्रतिनिधिमंडल ने राजकुमार महतो के नेतृत्व में उपायुक्त के नाम मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। धरना प्रदर्शन में पार्टी के वरिष्ठ नेता राजकुमार महतो, चित्रगुप्त महतो, सोनाराम मांझी, भुवनेश्वर महतो, बैच करमाली, सागर हुसैन सहित जिला संयोजक मंडली के सदस्य विजय राम, पिंकी बेसरा, साजिद आलम, दुबराज पाहन, योगेश बेदिया, शिव करमाली सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता शामिल थे।

BRIEF NEWS

झारखंड में इस माह नहीं पड़ेगी भीषण गर्मी

RANCHI : झारखंड में मई माह में भीषण गर्मी नहीं पड़ेगी। यह जानकारी मौसम विभाग की ओर से गुरुवार को दी गई है। विभाग के अनुसार लातेहार में गुरुवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि जमशेदपुर में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। लातेहार के अधिकतम और जमशेदपुर के न्यूनतम तापमान में अंतर महज 03 डिग्री का है। विभाग के अनुसार राज्य भर में 12 मई तक गर्जन के साथ हल्की बारिश होने और वज्रपात की संभावना व्यक्त की गई है। साथ ही इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी बात कही गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया।

जनजातीय भाषा विभागों में शिक्षक पद सृजन की मांग कुलपति को सौंपा ज्ञापन

RANCHI : आदिवासी छात्र संघ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी युनिवर्सिटी (डीएसपीएमयू) अध्यक्ष विवेक तिर्की के नेतृत्व में गुरुवार को छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीएसपीएमयू के कुलपति प्रो. डॉ. राजीव मनोहर को ज्ञापन सौंपकर कुड़ूख और नागपुरी भाषा विभाग में यूजीसी गाइडलाइन के तहत शिक्षक पद सृजित करने की मांग की।
विवेक तिर्की ने कहा कि जनजातीय भाषाओं के साथ लंबे समय से उपेक्षापूर्ण व्यवहार किया जा रहा है, जिस पर विश्वविद्यालय प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। विभाग जनजातीय भाषाओं के विभागों में पद सृजन करें। उन्होंने कहा कि कुड़ूख झारखंड की प्रमुख जनजातीय भाषाओं में शामिल है। इसे पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके बावजूद स्थायी शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई, शोध कार्य और शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।

बहाली में मानव दिवस कर्मियों को प्राथमिकता देने की उठी आवाज

RANCHI : गुरुवार को झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ की महत्वपूर्ण बैठक केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में गूगल मीट के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में ऊर्जा विभाग और निगम से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कई अहम निर्णय लिए गए। संघ ने झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड द्वारा नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू किए जाने के फैसले का स्वागत किया। केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि निगम द्वारा बहाली प्रक्रिया प्रारंभ किए जाने की सूचना मिलने के बाद संघ को उम्मीद है कि वर्षों से कार्यरत मानव दिवस कर्मियों व एजेंसी कर्मियों के हितों का ध्यान रखा जाएगा।
बैठक में संघ ने मांग की कि वर्ष 2016 और 2017 की नियुक्ति प्रक्रिया की तर्ज पर मानव दिवस कर्मियों को बहाली में प्राथमिकता दी जाए।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने की हेल्थ विभाग की समीक्षा, कहा-

स्वास्थ्य को लेकर नहीं बर्दाश्त की जाएगी कोई भी लापरवाही

- दो माह में राज्यभर में रिक्तियां भरने का दिया निर्देश
- सरायकेला में मां-बेटी की मौत के मामले में मांगी गई जांच रिपोर्ट
- सभी सिविल सर्जनों को पिछले दो वर्षों के प्रोक्योरमेंट का ऑडिट करने का आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। जिसमें राज्य के सभी सिविल सर्जनों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्वास्थ्य योजनाओं, अस्पताल प्रबंधन, बहाली प्रक्रिया और हाल की घटनाओं की समीक्षा की गई। सरायकेला में मां-बेटी की मौत के मामले में जांच रिपोर्ट मांगी गई, जबकि गोड्डा मामले में दोषी ममता वाहन चालक, सहिया और अस्पताल संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने की जानकारी दी गई। अपर मुख्य सचिव ने सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और दोषियों को किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं देने का निर्देश दिया। रांची में मरीज की मौत के मामले में भी जांच तेज करने को कहा गया। बैठक में एनएचएम के एमडी शशि प्रकाश झा, अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज, डीआईसी डॉ. सिद्धार्थ सान्याल और संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। हजारीबाग में बिना सामग्री आपूर्ति किए भुगतान किए जाने के मामले पर विभाग ने कड़ा रुख अपनाया। संबंधित सप्लायर को ब्लैकलिस्ट करने तथा दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी सिविल सर्जनों को पिछले दो वर्षों के प्रोक्योरमेंट का ऑडिट करने को कहा गया। मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन एवं रखरखाव योजना की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि सभी सिविल सर्जन खुद सीएचसी और पीएचसी का निरीक्षण करें और अस्पतालों की वास्तविक स्थिति की तस्वीरें पोर्टल पर अपलोड करें। आईसीयू, सीसीयू, इमरजेंसी सेवा और बेड की उपलब्धता की भी नियमित समीक्षा करने को कहा गया।

अधिकारियों के साथ बैठक करते अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह • फोटोन न्यूज

डिजिटल हेल्थ सिस्टम को किया जाएगा मजबूत

स्वास्थ्य विभाग ने डिजिटल हेल्थ सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में भी कई फैसले लिए। अपर सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज ने बताया कि राज्य की सभी स्वास्थ्य सुविधाओं को इंटरनेट से जोड़ा जाएगा और प्रत्येक जिले में कंट्रोल एंड कमांड सेंटर स्थापित होगा। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में सीसीटीवी लगाने तथा एआई आधारित इंटीग्रेटेड डैशबोर्ड विकसित करने की तैयारी चल रही है। दवाओं की एक्सपायरी की निगरानी के लिए भी नया डिजिटल सिस्टम विकसित किया जाएगा।

जेएसएससी को भेजा जाएगा रिक्विजिशन

एनएचएम के तहत पारा मेडिकल स्टाफ और तकनीशियन की बहाली को लेकर विभाग ने बड़ा फैसला लिया। जिला वार रिक्तियों की सूची भेज दी गई है और दो माह के भीतर सभी पद भरने का निर्देश दिया गया। डीआईसी को जेएसएससी को रिक्विजिशन भेजने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में डॉक्टरों की उपस्थिति और ट्रांसफर व्यवस्था को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि बीड श्रेणी के डॉक्टर यदि अपने निर्धारित कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं रहते हैं तो तत्काल रिपोर्ट भेजी जाए। बिना अनुमति किसी भी डॉक्टर का मनमाना ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि दो बार नियुक्ति के बाद इस्तीफा देने वाले डॉक्टरों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

दूसरे राज्यों के डॉक्टरों को राहत

स्वास्थ्य विभाग ने दूसरे राज्यों से आने वाले डॉक्टरों को राहत देने की दिशा में भी पहल की है। नोडल पदाधिकारी छवि रंजन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में झारखंड मेडिकल काउंसिल रूल-55 में संशोधन पर चर्चा हुई। वर्तमान नियम के तहत दूसरे राज्यों के डॉक्टरों को झारखंड में अलग से निबंधन कराना पड़ता है। बैठक में सहमति बनी कि नियमों को सरल बनाने के लिए सरकार को सुझाव भेजे जाएंगे।

तालाब में डूब गई कार, शादी से लौट रहे दो लोगों की मौत, युवक ने तैरकर बचाई अपनी जान

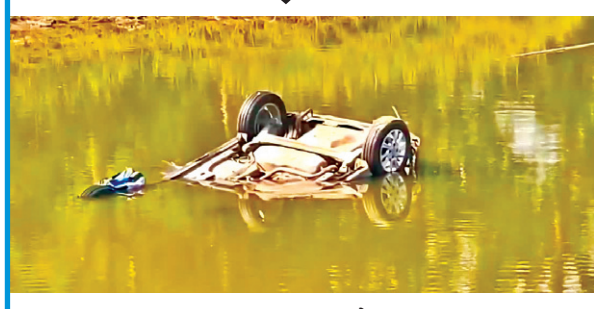

PHOTON NEWS RANCHI : तमाड़ थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। यह घटना चालाडी गांव के पास घटी जब एक कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी। घटना के वक्त कार में तीन लोग सवार थे, जिनमें से एक युवक तैरकर बाहर निकलने में सफल रहा। बता दें कि कार में सवार लोग रामगढ़ के बरलंगा ओपी क्षेत्र के रहने वाले थे और एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। लौटने के दौरान अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और सीधे तालाब में जा गिरी। हादसे के बाद कार तेजी से पानी में डूबने लगी। कार में मौजूद शुभम गुप्ता किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहा। उसने घटना की जानकारी स्थानीय लोगों और पुलिस को दी। इसके बाद ग्रामीणों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया। सूचना मिलते ही तमाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तालाब में फंसे लोगों को बाहर निकालकर तमाड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने 42 वर्षीय करमजीत और 40 वर्षीय रिंकी गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर है। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। वहीं डूबी कार को क्रेन की मदद से बाहर निकाल लिया गया।

महंगाई और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ झामुमो का राज्यभर में धरना-प्रदर्शन

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्र सरकार की नीतियों और बढ़ती महंगाई के खिलाफ आज गुरुवार को राज्यभर में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। राजधानी रांची में जिला समिति की ओर समाहरणालय के समक्ष धरना दिया गया और केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे रांची जिला झारखंड मुक्ति मोर्चा के संयोजक मुश्ताक आलम ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा देश और राज्य की जनता भुगत रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन राज्यों में चुनाव जीतने में करोड़ों-करोड़ रुपये पानी की तरह बहाने वाली भाजपा अब उस रकम की वसूली जनता से ही करने की योजना बनाई है और इसीलिए देश की जनता खासकर मध्यम वर्ग को महंगाई की आग में झोंक दिया है। मुश्ताक आलम ने कहा कि जनसरोकार के मुद्दे पर झारखंड मुक्ति मोर्चा लगातार जनता की आवाज बनता रहा है और आगे भी सदन से सड़क तक आम जनों की आवाज झामुमो पूरी गंभीरता से उठाता रहेगा।

प्रदर्शन करते झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और कार्यकर्ता • फोटोन न्यूज

झामुमो का आंदोलन राजनीतिक नौटंकी : आदित्य साहू

RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने महंगाई को लेकर झामुमो के आंदोलन को राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा लगातार जनमुद्दों को उठाए जाने से सत्तारूढ़ दल दबाव में है और अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए आंदोलन का सहारा ले रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महंगाई की ब्रांड एंबेसडर के साथ सरकार चलाने वाली झामुमो को महंगाई पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

रातू में मारपीट और राइफल छिनतई मामले में 7 आरोपियों को पुलिस ने किया अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के रातू थाना क्षेत्र में हुई मारपीट और लाइसेंसी राइफल छिनतई मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही लूटी गई 0.315 बोर लाइसेंसी राइफल और घटना में इस्तेमाल पिकअप वैन भी बरामद कर ली गई है। जानकारी के अनुसार घटना रातू थाना क्षेत्र के मालमाडु गांव की है। तारूप जाने वाली सड़क पर महिंद्रा एक्सयूवी में सवार सतीश कुमार और उनके सहयोगियों का सामना सामने से आ रही एक पिकअप वैन से हुआ। रास्ता देने और हेडलाइट डिम करने को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मामूली कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई। इसके बाद पिकअप वैन में सवार लोगों ने सतीश कुमार और उनके साथियों के साथ जमकर मारपीट की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान हमलावरों ने सतीश कुमार की लाइसेंसी राइफल छीन ली और मौके से फरार हो गए। घायलों का इलाज रांची के मेडिका अस्पताल में चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। तकनीकी इनपुट और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रातू के मुरचू गांव में छापेमारी कर सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

इंसानी अस्तित्व बचाने की चुनौती को लेकर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

PHOTON NEWS RANCHI : असर सोशल इम्पैक्ट एडवायजर्स और रांची प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को हीट वेव जागरूकता एवं प्रतिक्रिया विषय पर मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी, मीडिया की भूमिका और आम जनजीवन पर पड़ रहे प्रभावों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरूआत नसीरुद्दीन शाह निर्मित लघु फिल्म इट्स ओनली 47 डिग्री के प्रदर्शन से हुई, जिसने हीटवेव की भयावहता को दशार्या।
रांची मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि झारखंड का पिछला दशक सबसे गर्म रहा है और 2026 में सुपर अल नीनो की आशंका से मौसम पर गंभीर असर पड़ सकता है। नीतीश प्रियदर्शी ने कहा कि धरती खुद को री-बैलेंस करने में सक्षम है, लेकिन चुनौती इंसानों के अस्तित्व को बचाने की है। उन्होंने अंधाधुंध कंक्रीट निर्माण को अर्बन हीट आइलैंड का कारण बताया। वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्रा ने स्थानीय जलवायु आधारित रिपोर्टिंग की जरूरत बताई। वहीं डॉ. अत्रि गंगोपाध्याय ने भीषण गर्मी में सिर ढंकने, पर्याप्त पानी और ओआरएस लेने की सलाह दी। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ।

चलती ट्रेन में पिस्टल लहराने वाले दो युवकों को आरपीएफ की टीम ने किया गिरफ्तार

- जमशेदपुर से लाकर रांची में सप्लाई की थी तैयारी
- दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई, ट्रेन में मिला साढ़े छह लाख का गांजा

PHOTON NEWS RANCHI : रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) रांची मंडल ने ट्रेनों और रेलवे परिसरों में चलाए जा रहे सुरक्षा अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए चलती ट्रेन में अवैध हथियार लहराकर यात्रियों को धमकाने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी ओर रांची रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में जांच के दौरान 13 किलोग्राम गांजा भी बरामद किया गया। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर 7 मई को ट्रेन संख्या 18615 हावड़ा-हटिया क्रियायोगा एक्सप्रेस में आरपीएफ पोस्ट रांची की टीम चांडिल से हटिया तक एस्कॉर्टिंग ड्यूटी कर रही थी। इस दौरान कीता रेलवे स्टेशन पार करने के बाद सामान्य कोच से अफरा-तफरी और शोर सुनाई दी। मौके पर पहुंची आरपीएफ टीम ने देखा कि एक युवक यात्रियों के बीच अवैध देशी पिस्तौल लहराकर उन्हें धमका रहा था, जबकि उसका दूसरा साथी अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहा था। आरपीएफ जवानों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान एक देशी पिस्तौल और 7.65 एमएम का एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अकीब खान और रेहान खान के रूप में हुई है। दोनों रांची के बरियातू क्षेत्र के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि हथियार जमशेदपुर के एक व्यक्ति से लिया गया था और इसे रांची में सप्लाई किया जाना था। बाद में दोनों को हथियार और कारतूस के साथ जीआरपी रांची को सौंप दिया गया, जहां आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। इधर, 6 मई को रांची रेलवे स्टेशन पर चलाए गए जांच अभियान में आरपीएफ को एक बड़ी सफलता मिली। ट्रेन संख्या 18523 एक्सप्रेस के ए-2 कोच में सीट संख्या 37 के नीचे एक संदिग्ध ट्रॉली बैग मिला।

रिम्स व बड़गाईं में डालसा ने आयोजित किया विधिक जागरूकता कार्यक्रम

PHOTON NEWS RANCHI : रिम्स और बड़गाईं अंचल एवं बड़गाईं बस्ती में डालसा की टीम ने 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया।
उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर और सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। डालसा के पीएलवी की ओर से बाल विवाह, बाल श्रम, डायन बिसाही और नशा उन्मुलन पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएलवी रिषभ जायसवाल ने कहा कि नशा से घर परिवार नष्ट होता है। युवाओं को नशा करने से बचना चाहिए। स्नेहलता दुबे ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं की जानकारी दी। साहिष्ता प्रवीण ने प्रधानमंत्री रोजगार योजना और वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन की जानकारी दी। डालसा के पीएलवी ने योजना साथी, डॉन, आशा, जागृति योजनाओं पर भी चर्चा किया। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं और लाभकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

हेल्थ सिस्टम ओपीडी व्यवस्था और मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं की ली जानकारी

एसडीओ ने नगड़ी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने पर दिया विशेष जोर

एडीएम लॉ एंड आर्डर ने जेपीएससी परीक्षा की तैयारियों को लेकर की समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को डीसी रांची मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर एसडीओ कुमार रजत ने अधिकारियों के साथ हॉस्पिटल का निरीक्षण किया और वहां की स्थिति का जायजा लिया। वहीं दूसरी ओर जेपीएससी की परीक्षा की तैयारियों को लेकर एडीएम लॉ एंड आर्डर ने उच्च स्तरीय बैठक की। संबंधित अधिकारियों को अहम निर्देश दिए गए। एसडीओ कुमार रजत ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नगड़ी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी व्यवस्था, मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं और शिफ्ट वाइज चिकित्सकों की उपस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी स्वास्थ्यकर्मी समय पर उपस्थित रहकर जिम्मेदारी निभाएं ताकि, इलाज के लिए आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। एसडीओ ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित व बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा दवाइयों की उपलब्धता, अस्पताल परिसर की सफाई, पेयजल और बिजली व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। उन्होंने ब्लॉक प्राइमरी हेल्थ सेंटर के निर्माण कार्य की प्रगति का भी निरीक्षण किया और एजेंसी को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया।

15 केंद्रों पर 10 को होगी परीक्षा

दूसरी ओर झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (बैकलॉग) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2023 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। परीक्षा 10 मई 2026 को रांची जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। बैठक की एडीएम लॉ एंड आर्डर राजेश्वर नाथ आलोक और एसडीओ कुमार रजत ने की। बैठक में जोनल दंडाधिकारी और परीक्षा नियंत्रण से जुड़े अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन और नकल रोकने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था पर चर्चा की गई। साथ ही सभी परीक्षा केंद्रों पर दंडाधिकारियों की तैनाती और आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों की समीक्षा हुई। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न होनी चाहिए।

छात्रों ने जाना भारतीय संस्कृति और मंत्रों का महत्व

RANCHI : मारवाड़ी महिला सम्मेलन के संस्कार ही धरोहर कार्यक्रम के तहत गुरूवार को शिवनारायण कन्या पाठशाला में छात्राओं को संस्कृत के उपयोगी श्लोक सिखाने का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा एक से आठवीं तक की छात्राओं ने करीब डेढ़ घंटे तक शुद्ध उच्चारण और मधुर स्वर में मंत्र और श्लोकों का पाठ किया। यह जानकारी मारवाड़ी महिला सम्मेलन के मीडिया प्रभारी रीना सुरेका ने जारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल विकास प्रकल्प प्रमुख रूपा अग्रवाल ने बताया कि छात्राओं को भारतीय संस्कृति, संस्कार और दैनिक जीवन में मंत्रों के महत्व से जोड़ना ही इस कार्यक्रम का उद्धेश्य है।

सीआईपी निदेशक स्पष्ट करें, संस्थान के पास कितनी जमीन : हाईकोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड उच्च न्यायालय ने केंद्रीय मनोरोग संस्थान (सीआईपी), कांके की निदेशक से पूछा है कि सीआईपी के पास कितनी जमीन है। कोर्ट ने सीआईपी से यह भी जानना चाहा है कि अगर अतिक्रमण है तो उसे हटाने के लिए सीआईपी की ओर से अबतक क्या कार्रवाई हुई है। मामले में राज्य सरकार की ओर से अदालत में दायर जांच प्रतिवेदन पर प्रार्थी ने अपना जवाब दाखिल किया है।
मामले की अगली सुनवाई 18 जून को होगी। मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई। प्रार्थी विकास चंद्र की ओर से अपने जवाब में कोर्ट को बताया गया कि सीआईपी के पास कितनी अधिग्रहित जमीन है, उसकी जानकारी भी नहीं है।
सीआईपी की जमीन से संबंधित कुछ दस्तावेज भी सरकारी रिकॉर्ड से गायब हैं। ऐसे में सीआईपी की जमीन पर लगातार अतिक्रमण हो रहा है और इसे हटाने के लिए कोई कार्रवाई सीआईपी नहीं कर रहा है। पूर्व की सुनवाई में अदालत को बताया गया था कि सीआईपी (केंद्रीय मनोरोग संस्थान), कांके, रांची की भूमि पर अतिक्रमण हटाने के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी।

समाचार सार

गोलमुरी में खड़ी कार में लगी आग, मची अफरा-तफरी

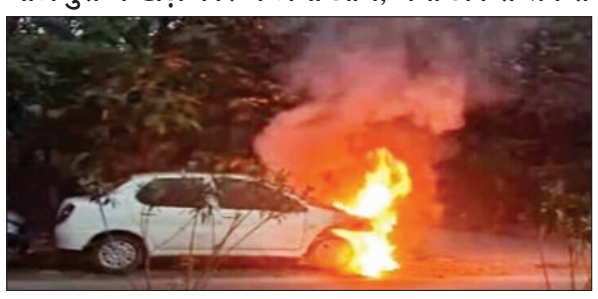

JAMSHEDPUR : गोलमुरी थाना क्षेत्र के टुइलाडुंगरी में साईं मोटर्स परिसर में बिकने के लिए खड़ी एक कार में गुरुवार को सुबह करीब 5 बजे अचानक आग लग गई। आग लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद लोग आग बुझाने के प्रयास में जुट गए, लेकिन आग नहीं बुझ रही थी। इसी बीच किसी ने घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दी। इसके बाद दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी इसके बारे में अब तक कुछ भी जानकारी नहीं मिल पाई है। आग लगने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्षत्रिय युवा संघ कल मनाएगा महाराणा प्रताप की जयंती

JAMSHEDPUR : वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 487वीं जयंती 9 मई को धूमधाम से मनाई जाएगी। शनिवार को मेरीन ड्राइव स्थित महाराणा प्रताप चौक पर कार्यक्रम की शुरूआत पांच पुरोहितों के शंखनाद से होगी। इसके बाद हजारों श्रद्धालु महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। झारखंड क्षत्रिय संघ, युवा संघ और महिला संघ की 27 इकाइयों की समितियां भगवा ध्वज के साथ जयघोष करते हुए क्रमवार माल्यार्पण करेंगी। झारखंड क्षत्रिय संघ ने गुरुवार को साकची स्थित होटल दयाल इंटरनेशनल में प्रेसवार्ता के दौरान केंद्रीय सचिव अमित सिंह ने बताया कि सुबह 10 बजे महाराणा प्रताप चौक पर संगोष्ठी होगी। इसमें शहर के मशहूर शिक्षाविद और इतिहासकार महाराणा प्रताप के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र रक्षा के योगदान पर अपने विचार रखेंगे। इसका मकसद युवाओं और आमजन में धर्म व राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करना है। इसके अलावा, भीषण गर्मी को देखते हुए क्षत्रिय युवा संघ शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर शर्बत-कोल्डड्रिंक्स का राहगीरों में वितरण करेगा। प्रेस वार्ता में केंद्रीय सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक अमित सिंह, युवा संघ के महामंत्री कुमार प्रभाकर सिंह, वरीय उपाध्यक्ष राजीव सिंह (बबलू), जयंत विक्रम सिंह, रवि सिंह, सुखदेव सिंह, हेमंत सिंह और अभिषेक सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

पीडीएस डीलर की मौत के बाद ब्लॉक आफिस पहुंचे डीसी

GHATSILA : घाटशिला के पीडीएस डीलर मृणाल कुमार रजक ने बुधवार को आत्महत्या कर ली थी। मृतक ने सुसाइड नोट में राशन का कमीशन नहीं मिलने को अपनी मौत का कारण बताया था। इस मामले में जांच करने के लिए उपायुक्त राजीव रंजन ने गुरुवार को घाटशिला प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। लेकिन, वे कार्यालय की अव्यवस्था देखकर बिखर पड़े। उन्होंने हर टेबल पर बैठे अधिकारी के कार्य को लेकर सवाल किए। कहीं भी उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। डीसी ने पूछा कि पीडीएस डीलर को कमीशन क्यों नहीं मिल रहा था, इसकी रिपोर्ट दें। अंदर से बाहर तक गंदगी देखकर डीसी ने कहा कि ऐसा क्यों हो रहा है। ब्लॉक के बाहर जंगल झाड़ी उगे हैं, भवन के अंदर कचरा पड़ा है। ऐसा लगता है कि सालों से ब्लॉक के साफ सफाई पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। सफाई के नाम पर जो पैसा आ रहा है, उसका हो क्या रहा है। ब्लॉक में एक भी रजिस्टर अपडेट नहीं है। ब्लॉक के कर्मचारी समय पर आफिस नहीं आ रहे हैं। ऐसे में आम जनता का काम कैसे होगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान डीसी ने कहा कि वह ब्लॉक की कार्य पद्धति देखने आए थे। लेकिन, ऑफिस की हालत देखकर दुख हो रहा है। सभी कार्य की रिपोर्ट मांगी गई है। इनमें खामियां मिलेंगी। उस पर कारवाई तय है। निरीक्षण के दौरान डीडीसी नागेंद्र पासवान, एसडीओ सुनील चंद्र, बीडीओ युनिका शर्मा, सीओ निशात अंबर समेत कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

चाईबासा-चक्रधरपुर में एक्सपायर्ड खाद-बीज जब्त

CHAIBASA : जिला कृषि विभाग ने गुरुवार को चाईबासा और चक्रधरपुर में खाद-बीज की दुकानों पर औचक छापेमारी की। इस दौरान चाईबासा व चक्रधरपुर की दो-दो दुकानों से एक्सपायर्ड डेट की खाद व बीज जब्त की गई, जिसके बाद चारों दुकानों को सील कर दिया गया। चाईबासा में एसडीपीओ बहामन टूटी, जिला कृषि पदाधिकारी अमरजीत कुजूर, सदर अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी गौतम कुमार और एलआरडीसी छापेमारी में शामिल थे, जबकि चक्रधरपुर में अनुमंडल पदाधिकारी पोड़ाहाट श्रुति राजलक्ष्मी के नेतृत्व में अंचल अधिकारी सुरेश कुमार सिन्हा, कार्यपालक दंडाधिकारी और प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने टोकलो रोड स्थित आदिवासी खाद बीज भंडार एवं आसनतलिया स्थित एलांग दोलांग बीज भंडार का निरीक्षण किया।

एक्शन : सरायकेला-खरसावां जिला पुलिस का नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार

16.50 लाख के ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

PHOTON NEWS SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिला की पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कपाली ओपी क्षेत्र से बड़ी मात्रा में ब्राउन शुगर बरामद की है। इस कार्रवाई में पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त ब्राउन शुगर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 16.50 लाख रुपये आंकी गई है। जिले की पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में बताया कि 6 मई को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बंधुगोड़ा इलाके में इम्तियाज खान के मकान से नशे का कारोबार संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही एक विशेष टीम का गठन किया गया और त्वरित छापेमारी की गई।

आरोपी का पहले भी रहा है आपराधिक इतिहास

गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देतीं एसपी निधि द्विवेदी

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 82.80 ग्राम ब्राउन शुगर की कुल 679 पुड़िया बरामद की। मौके से महाराज अली, असगर अली और शबनम परवीन को गिरफ्तार किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि तीनों आरोपी किराएदार बनकर मकान में रह रहे थे और वहीं से नशे के नेटवर्क को संचालित कर रहे थे।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी महाराज अली का आपराधिक इतिहास भी रहा है। वह पहले से आरआईटी थाना के एक मामले में वांछित था। सभी आरोपियों की बायोमीट्रिक जांच और फिंगरप्रिंटिंग की प्रक्रिया पूरी कर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सरायकेला पुलिस अब इस गिरोह के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की जांच में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस नेटवर्क से और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा इसके पीछे किसी सफेदपोश की भूमिका तो नहीं है।

कांग्रेस ने फूंका पीएम का पुतला, चुनावी हिंसा का बताया जिम्मेदार

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में गुरुवार को साकची गोलचक्कर पर जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया गया। इस दौरान परविंदर सिंह ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा चुनाव के दौरान एवं चुनाव के बाद हिंसा रोकने में पूरी तरह से नाकामयाब रही है। गृहमंत्री अमित शाह पूरी तरीके से स्थिति काबू रखने में विफल साबित हुए हैं। चुनाव हर 5 वर्षों में होते हैं, मगर राजनीतिक दुश्मनी निभाना राजनीतिक दलों का कार्य नहीं है। देश में लोकतंत्र बचना चाहिए। जिस तरह विपक्षी दलों के कार्यालयों पर हमला किया गया, वह निंदनीय है। केंद्रीय बल का उपयोग चुनाव जीतने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। जिलाध्यक्ष ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि मणिपुर में भाजपा की डबल इंजन की सरकार है। विगत कई वर्षों से हिंसा रूक नही रही है। भाजपा सरकार लोगों के बीच शांतिपूर्ण माहौल बनाने में फेल हुई है। कांग्रेस पार्टी बंगाल को कदापि मणिपुर बनने नही देगी। मोदी सरकार को प्रत्येक परिवार को सुरक्षा देना होगा। अपने उद्दंड कार्यकत्ताओं को हाथों में कानून लेने से रोकना होगा।

कदमा में महिला से चेन छीनने वाले 3 आरोपियों को किया गया अरेस्ट

PHOTON NEWS JSR: कदमा थाना क्षेत्र में महिला से सोने की चेन छीनने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से छीने गए सोने के जेवर, नकद राशि और घटना में इस्तेमाल की गई स्कूटी भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों में आदित्यपुर निवासी प्रकाश पटेल, कदमा की भाटिया बस्ती का निवासी प्रीतम सिंह उर्फ पोंगो और सोनारी निवासी निखिल सोनी शामिल हैं। गौरतलब है कि 2 मई को कदमा थाना क्षेत्र के अनिल सूर पथ पर स्कूटी सवार बदमाशों ने अनिता चौधरी नामक महिला के गले से सोने की चेन छीन ली थी। महिला नारायणी विला, अनिल सूर पथ की रहने वाली है। घटना के बाद

गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

एसएसपी के निर्देश पर सिटी एसपी के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने 6 मई को टाटा वर्कर्स यूनियन हाई स्कूल, कदमा के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर कदमा स्थित जेपी ज्वेलर्स का मालिक भी पकड़ा गया। उसकी दुकान में छापेमारी कर पिघलाकर बनाई गई सोने की 3 अंगूठी बरामद की गईं। जांच में यह भी सामने आया कि छीनी गई चेन को 25 हजार रुपये में बेची गई थी। इसमें से 15 हजार रुपये आरोपियों के पास से बरामद किए गए।

महिला से छेड़छाड़ व अभद्रता मामले में आरोपी गिरफ्तार

CHAIBASA : जिले के किरीबुरू थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार करने के आरोप में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले को लेकर किरीबुरू थाना में गुरुवार को मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान रजनीश कुमार उर्फ रॉकी के रूप में हुई है। वह रंजीत कुमार सिंह का पुत्र है और मेघाहातुबुरू न्यू कॉलोनी स्थित क्वार्टर नंबर 105/6 का निवासी बताया गया है। जानकारी के अनुसार आरोपित पर एक महिला के साथ छेड़छाड़ करने, अभद्र व्यवहार करने और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप है। घटना के बाद पीड़िता ने किरीबुरू थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गुरुवार को आरोपित को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

चाईबासा सिविल कोर्ट के रिटायर्ड क्लर्क की बेटी ने की आत्महत्या

घर पर जांच करने पहुंची पुलिस

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दुम्बीसाई गांव में गुरुवार को चाईबासा सिविल कोर्ट के सेवानिवृत्त सहायक क्लर्क चक्रधर बारी की 35 वर्षीय पुत्री शबनम बारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार, शबनम बुधवार को रात में खाना खाने के बाद अपने कमरे में चली गई थी। गुरुवार को सुबह में परिवार के सदस्य कमरे में पहुंचे तो शबनम को रस्सी के फंदे पर लटका पाया। आनन-फानन उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने बताया कि शबनम पिछले कुछ समय से डिप्रेशन में थी। नौकरी न लगने और विवाह में विलंब होने के कारण वह मानसिक रूप से काफी परेशान रहती थी। कई बार उसने अपनी चिंता घर वालों से साझा भी की थी। परिजनों का कहना है कि इसी अवसाद के चलते उसने यह आत्मघाती कदम उठाया होगा।

बाइक स्किट होने से दो युवक घायल, नहीं पहने थे हेलमेट

घटनास्थल पर जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत घाटशिला थाना क्षेत्र में फुलडुंगरी स्थित एनएच- 18 पर अनुमंडल अस्पताल के सामने गुरुवार को बाइक स्किट होने से दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों आपस में रिश्तेदार (साला- बहनोई) बताए जा रहे हैं। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने दोनों को तत्काल अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल एक युवक को जमशेदपुर स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल रेफर कर दिया। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिससे यह दुर्घटना जानलेवा हो गई। बताया जाता है कि दोनों एक ही बाइक पर धालभूमगढ़ से अपने घर गालूडीह के बड़बिल स्थित जमाईपाड़ा लौट रहे थे। इनमें से एक प्रीतम गोप के सिर में अत्यधिक चोट लगी थी, जिससे वह बेहोशी की हालत में है। वहीं, रघु गोप का घाटशिला के अनुमंडल अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक चालक काफी तेजी से बाइक को लहराते हुए आ रहा था।

गुटखा-सिगरेट व सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त, आठ हजार रुपये वसूला जुर्माना

CHAIBASA : नगर विकास एवं आवास विभाग झारखंड सरकार तथा उपायुक्त के निर्देश पर गुरुवार को नगर परिषद चाईबासा ने नशा सामग्री और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ बड़ा छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई दुकानदारों के पास से नशे के उत्पाद और सिंगल यूज प्लास्टिक बरामद की गई। टीम ने सभी सामान जब्त कर लिया। इन दुकानदारों से मौके पर ही लगभग 8,000 रुपये जुर्माना वसूला गया। कार्यपालक पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी सदर चाईबासा के संयुक्त नेतृत्व में अभियान चलाया गया। टीम में सभी राजस्व पदाधिकारी, कर संग्रहकर्ता, नगर प्रबंधक तथा सुपरवाइजर शामिल रहे। टीम ने बस स्टैंड, सदर अस्पताल और शहर के विभिन्न विद्यालयों के आसपास स्थित दुकानों में औचक छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान दुकानों में बिक रही नशाखोरी की सामग्री जैसे गुटखा, पान मसाला, सिगरेट, बीड़ी आदि की जांच की गई। इसके साथ ही प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक की जांच भी की गई।

मनोहरपुर में मिला गाय का कटा हुआ सिर, चार लिए गए हिरासत में

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड स्थित कमरबेड़ा गांव में गाय का कटा हुआ सिर मिला, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया है। हिंदू जागरण मंच की मनोहरपुर प्रखंड इकाई ने दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद पीड़ित परिवार की लिखित शिकायत पर मनोहरपुर थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है,जबकि एक फरार है। फिलहाल मनोहरपुर पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। शिकायत के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है।

घटनास्थल के पास जुटे ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

स्थानीय निवासी रमेश महतो के पुत्र सुदेश महतो ने बताया कि उनकी गाय दो-तीन दिन से लापता थी। काफी खोजबीन करने के बाद गुरुवार को गाय का केवल कटा हुआ सिर मिला। घटना की जानकारी मिलते ही कमरबेड़ा और आसपास के ग्रामीण आक्रोशित हो गए। गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने घटना का विरोध किया। हिंदू जागरण मंच के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रशासनिक पदाधिकारियों से मिलकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मंच के कार्यकताओं ने कहा कि यदि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर सजा नहीं दी गई तो संगठन समस्त ग्रामीणों के साथ उग्र विरोध प्रदर्शन करेगा।

सियासत पूरे राज्य के साथ कोल्हान प्रमंडल में भी भाजपा व झामुमो ने एक दूसरे पर लगाए आरोप

जलसंकट को लेकर सिर पर घड़ा रख भाजपाइयों ने किया प्रदर्शन

PHOTON NEWS JSR : शहर में भीषण गर्मी पड़ रही है और जल संकट गहरा रहा है। मानगो और बागबेड़ा समेत गैरकंपनी इलाकों में पानी की किल्लत महसूस की जा रही है। इसी को लेकर भाजपा ने गुरुवार को डीसी ऑफिस के सामने प्रदर्शन किया। भाजपा कार्यकर्ता सिर पर घड़ा रखे हुए थे। प्रदर्शन का नेतृत्व जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू कर रही थीं।

भाजपा कार्यकर्ता साकची स्थित पार्टी के जिला कार्यालय से जुलूस के रूप में निकले और डीसी ऑफिस पहुंचे। बाद में बाद में डीसी राजीव रंजन के जरिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया और जलसंकट खत्म करने की मांग रखी गई। इसके अलावा, बिजली को लेकर भी सवाल उठाए गए। कहा गया है कि गैरकंपनी इलाकों में लगातार बिजली कटौती हो रही है। इससे लोग परेशान हैं। बिजली कटौती से निजात दिलाई जाए।

सिर पर घड़ा लेकर प्रदर्शन करतीं विधायक पूर्णिमा साहू व अन्य ● फोटोन न्यूज

इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास भी मौजूद थे। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान हेमंत सरकार पर जोरदार हमला बोला। रघुवर दास ने कहा कि इस भीषण गर्मी में जनता को राहत देने के बजाय सरकार सिर्फ घोषणा करने में जुटी हुई है। बिजली कटौती के चलते लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। लोगों को पानी भी नहीं मिल रहा है। इससे परिवार के लोग परेशान हैं। विधायक पूर्णिमा दास साहू ने कहा कि जनता त्रस्त हो गई है। बिजली कटौती से लोग सो नहीं पा रहे हैं। सुबह उठते ही पानी के लिए लाइन लगानी पड़ रही है। झामुमो सरकार जनता को सुविधाएं देने में असफल साबित हो रही है।

चाईबासा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बोला हल्ला, सरकार को अल्टीमेटम

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के भाजपा कार्यकताओं ने गुरुवार को बिजली की बढ़ी हुई दरों और भीषण पेयजल संकट को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। भाजपाइयों ने सिर पर घड़ा, हांडी, डिब्बा और बर्तन लेकर गौशाला चौक से जिला समाहरणालय तक विशाल रैली निकाली। प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई और भाजपा जिलाध्यक्ष गीता बलमुचू सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और समाहरणालय के समक्ष धरना दिया। गीता कोड़ा ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार पूरी तरह से निकम्मी साबित हुई है। चाहे चापाकल की बात हो, पेयजल आपूर्ति हो या बिजली आपूर्ति, हर मोर्चे पर सरकार फेल है। इस दौरान उन्होंने तंज कसते हुए कहा- क्या हुआ तेरा वादा। मधु कोड़ा ने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ घोषणाएं कर रही है, धरातल पर कोई काम नहीं हो रहा। आज गर्मी में लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं, लेकिन सरकार को जनता की कोई चिंता नहीं है।

सिर पर घड़ा रखकर प्रदर्शन करतीं पूर्व सांसद गीता कोड़ा व अन्य ● फोटोन न्यूज

एलपीजी की किल्लत पर झामुमो का प्रदर्शन, लकड़ी के चूल्हे पर बनाई चाय

उपायुक्त कार्यालय के सामने चाय बनाते झामुमो कार्यकर्ता

JAMSHEDPUR : देश में चल रही रसोई गैस की किल्लत और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने के खिलाफ झामुमो के कार्यकताओं ने गुरुवार को डीसी ऑफिस के सामने प्रदर्शन किया। झामुमो के कार्यकर्ता सिर पर लकड़ी लेकर डीसी ऑफिस पहुंचे। प्रदर्शनकारियों में महिलाओं की संख्या अधिक थी। यहां उन्होंने चूल्हे पर लकड़ी जलाकर चाय भी बनाई। प्रदर्शनकारी पुराना कोर्ट गोलचक्कर होते हुए डीसी ऑफिस पहुंचे थे। प्रदर्शन करने वाले झामुमो कार्यकर्ता बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास भी रुके और वहां नारेबाजी की। उसके बाद डीसी ऑफिस पहुंचे। डीसी ऑफिस पर सभी कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन कारियों केइस जुलूस में लोग तरह-तरह के बैनर पोस्टर लिए हुए थे। इन पर महंगाई को लेकर नारे लिखे हुए थे। किसी पोस्टर में लिखा हुआ था कि देश में गैस की किल्लत क्यों हो रही है। सभी नागरिकों को गैस सिलेंडर लेने का अधिकार है। किसी पोस्टर में लिखा हुआ है कि देश में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। आम आदमी की कमर टूट चुकी है। केंद्र सरकार क्या कर रही है। गौरतलब है कि झामुमो ने महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया था और इसी को लेकर यह प्रदर्शन हो रहा है। झामुमो नेताओं का कहना है कि प्रदर्शन के बाद धरना दिया जा रहा है और डीसी के जरिए राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंप कर महंगाई कम करने, गैस सिलेंडर की सप्लाई बढ़ाने और गैस सिलेंडर के दाम पूर्ववत रखने की मांग की गई।

पत्नी को मारी 4 गोलियां, फिर भीड़ ने पति की भी ले ली जान

सड़क पर ई-रिक्शा रुकवाकर महिला को जबरन उतारा, फिर कर दी ताबड़तोड़ फायरिंग

PHOTON NEWS SHEKHPURA: शेखपुरा जिले से एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां पति-पत्नी के आपसी विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। सिरारी थाना क्षेत्र के कैथवां गांव के पास गुरुवार को एक पति ने सरेराह अपनी पत्नी पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना के बाद मौके पर मौजूद भीड़ उग्र हो गई और आरोपी पति को पकड़कर इतनी बेरहमी से पिटाई कर दी कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से पूरे इलाके में यह घटना चर्चा का विषय बन गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जिले के सुल्तानपुर का निवासी प्रदीप ठाकुर (28) बाइक से पहुंचा था। उसने पहले ई-रिक्शा को रुकवाया

अस्पताल में इलाजरत महिला

और उसमें बैठी उसकी पत्नी प्रतिमा देवी (25) को जबरन नीचे उतारा। इसके बाद कमर में खोंसी हुई देसी पिस्टल निकालकर उस पर फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि पति ने अपनी पत्नी को एक के बाद एक चार गोलियां मारीं। वहां मौजूद लोगों ने महिला को गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए। वारदात को अंजाम देकर भागने की कोशिश कर रहे प्रदीप ठाकुर को भीड़ ने पकड़ लिया। लोगों का गुस्सा इस कदर भड़का कि उन्होंने प्रदीप से पिस्टल छीन लिया और उसे बुरी तरह पीटने लगे। आक्रोशित भीड़ ने उसे तब तक मारा, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी की मौत हो चुकी थी।

इस घटना से पुलिस की गश्ती और तत्परता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटनास्थल सिरारी थाना से करीब दो किलोमीटर दूर है, लेकिन पुलिस को घटनास्थल पर पहुंचने में काफी वक्त लग गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस समय रहते पहुंच जाती तो मॉबलिंचिंग की इस वारदात को रोका जा सकता था। फिलहाल, पुलिस ने मौके से हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल और खाली खोखे बरामद किए हैं।

मॉबलिंचिंग के आरोपियों की पहचान में जुटी पुलिस : सिरारी के थानाध्यक्ष पीयूष कुमार ने कहा कि मॉबलिंचिंग के मामले में आरोपियों की पहचान की जा रही है। पुलिस टीम साक्ष्य जुटाने की कोशिश कर रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीद लोगों के बयानों के आधार पर भीड़ में शामिल लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी एसडीपीओ धीरज कुमार ने सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से सभी वैज्ञानिक साक्ष्य जुटा लिए हैं और हथियार को जब्त कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सहरसा में मध्याह्न भोजन खाने के बाद सैकड़ों बच्चे बीमार, अस्पताल में भर्ती

AGENCY SAHARSA: जिले के महिषी प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय बलुआहा और प्राथमिक विद्यालय तेघड़ा में भोजन करने के कुछ देर बाद ही बच्चों को पेट दर्द, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत होने लगी, जिसके बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में शिक्षकों और स्थानीय लोगों की मदद से बीमार छात्रों को इलाज के लिए महिषी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और मॉडर्न अस्पताल सहरसा पहुंचाया गया, जहां सभी बच्चों का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों की टीम बच्चों की स्वास्थ्य जांच में जुटी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही डीएम, एसपी, अस्पताल प्रबंधक और शिक्षा विभाग के कर्मी भी अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। वहीं अभिभावकों में घटना को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता खराब थी। जिसकी वजह से बच्चे बीमार हुए। फिलहाल सभी छात्रों की स्थिति

अस्पताल में इलाजरत बच्चे

खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रशासन ने मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम एवं ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा जांच शुरू कर दी है और भोजन के नमूने को जांच के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। मध्यान भोजन खाने से महिषी प्रखंड के मध्य विद्यालय बलुआहा के 150 से अधिक बच्चे की हालत नाजुक हो गई। बच्चों के तबीयत अधिक खराब होने के कारण उन्हें पीएचसी महिषी एवं सदर अस्पताल सहरसा में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। मालूम हो कि एक एनजीओ डॉक्टर भीमराव अंबेडकर दलित उत्थान समिति द्वारा विद्यालय में मध्यान भोजन दिया जाता है। मिली जानकारी के मुताबिक भोजन बनाने में गड़बड़ी हुई और विषाक्त भोजन बच्चों को परोसा गया जिससे उसकी हालत नाजुक हो गई, जिसमें 150 से अधिक बच्चों की स्थिति नाजुक है। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी दीपेश कुमार अस्पताल पहुंच कर बेहतर इलाज के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 115 बच्चे विषाक्त भोजन के शिकार हुए हैं। जिसका इलाज किया जा रहा हैं। सभी बच्चे खतरे से बाहर है।

BRIEF NEWS

ट्रैक्टर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दो घायल

KATIHAR : जिले के पोठिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चौधरी बाड़ी के समीप गुरुवार को तेज रफ्तार और लापरवाही से ओवरटेक करने की कोशिश एक बड़े हादसे में तब्दील हो गई। एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर बाइक को रौंदते हुए सड़क किनारे गहरे खाई में जाकर पलट गया। इस दुर्घटना में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क पर दो ट्रैक्टरों के बीच आगे निकलने की होड़ मची थी। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से ओवरटेक करने की कोशिश की और सामने से आ रहे बाइक सवार उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। एक युवक ट्रैक्टर के साइड के हिस्से में फंसकर काफी दूर तक घिसटता चला गया, जबकि दूसरा युवक छिटक कर सड़क की दूसरी ओर जा गिरा। घटना में घायल युवकों की पहचान बरारी (कालिकापुर) निवासी मनोज मंडल के पुत्र अजित कुमार और मरोचा बस्तौल निवासी दिलीप मंडल के पुत्र संजीव कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पोठिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को समेली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। फिलहाल दोनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। हादसे के तुरंत बाद ट्रैक्टर चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

वाहन छोड़ने के आरोप में पुलिस अधिकारी सस्पेंड

KISHANGANJ : कर्तव्य पालन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने को लेकर किशनगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तरगाछ पिकेट प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक रामबहादुर शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन पर थाना में जब्त ट्रैक्टर को नियमों का उल्लंघन कर मुक्त करने तथा बिचौलियों से सांठगांठ रखने का आरोप है। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार को शिकायत प्राप्त हुई थी कि छत्तरगाछ पिकेट प्रभारी द्वारा थाना में जब्त दो वाहनों को नियमों के विरुद्ध मुक्त किया गया है, जिससे सरकारी राजस्व की क्षति हुई तथा अनियमितता बरती गई। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) किशनगंज से कराई गई। जांच प्रतिवेदन में पाया गया कि थाना से मुक्त किए गए दोनों वाहनों का सत्यापन जिला परिवहन पदाधिकारी, किशनगंज से नहीं कराया गया। साथ ही वाहन मुक्त करने की प्रक्रिया में निर्धारित नियमों की अवहेलना की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने पुलिस अवर निरीक्षक रामबहादुर शर्मा को नियम उल्लंघन, संदिग्ध आचरण, कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, मनमानेपन, आदेश उल्लंघन तथा किसी बिचौलिये से सांठगांठ कर गंभीर अनियमितता बरतने के आरोप में सामान्य जीवन-यापन भत्ता पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच शुरू करते हुए स्पष्टीकरण की मांग की गई है। किशनगंज पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कर्तव्य निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा भ्रष्ट आचरण के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। दोषी पाए जाने वाले किसी भी पुलिस पदाधिकारी या कर्मी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बहन के साथ सोई युवती की गोली मारकर हत्या

फारबिसगंज के घोड़ाघाट की घटना, इसी माह में होने वाली थी चांदनी की शादी

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज के घोड़ाघाट वार्ड संख्या एक में गुरुवार सुबह आठ बजे घर में घुसकर कासिम नामक युवक ने एक युवती की गोली मारकर हत्या कर दी। युवती चांदनी अपनी छोटी बहन फरहीन के साथ सोई हुई थी। इसी दौरान युवक घर में घुसकर गोली मार दिया। मृतका युवती चांदनी पिता मो. गयासुद्दीन की इसी माह में बकरीद के बाद शादी होने वाली थी। गोली लगने के बाद युवती को परिजनों और अगल बगल के लोगों के द्वारा आनन फानन में फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां ऑन ड्यूटी चिकित्सक डॉ कृष्णमोहन ने उसे मृत घोषिप कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,थानाध्यक्ष मनोज कुमार,सब

अस्पताल में परिजनों से जानकारी लेते पुलिस पदाधिकारी

इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार मिश्र, बबीता कुमारी, रेखा कुमारी पुलिस बलों के साथ अनुमंडलीय अस्पताल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। घटना के संदर्भ में मृतका की मां ने बताया कि उनके पति मुंबई में ट्रक चलाता है। तीन बहन और दो भाई में दूसरे नंबर पर चांदनी थी। सुबह में चाय बनाकर सबको देने के बाद वह अपनी बहन के साथ जाकर बिछावन पर लेट गई। इसी क्रम में उसका पड़ोसी कासिम उर्फ नना पिता हाफिज मोईन उनके घर आया और उससे बातचीत करने के बाद युवती को हथियार दिखाते हुए गोली मारने की बात कहकर गोली चला दिया। गोली की आवाज सुनने के बाद परिजन सहित शमसेर आलम, अकबर लालन, पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद बबलू, डॉ एजाज गुफरान घटनास्थल पर पहुंचा तो युवती को खून से लथपथ पाया,जिसके बाद उसे फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल लेकर जाया गया,जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दरअसल गोली चलाने की बात पर युवती ने इसे मजाक समझा और कहा कि नकली बंदूक से कहीं गोली चलता है और इतना ही कहते आरोपित युवक ने युवती के पीठ पर गोली मार दिया। जिनसे मौके पर ही उनकी मौत हो जाने की बात कही जा रही है। आरोपित युवक कासिम सिमराहा स्थित मांस फैक्ट्री में काम करने वाला बताया जाता है। घटना के पीछे स्थानीय लोगों के द्वारा प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है और युवती की शादी इसी माह दूसरे जगह तय होने के कारण आक्रोशित युवक ने युवती को गोली मार दिया। घटना को अंजाम देने के बाद युवक घटनास्थल पर ही हथियार छोड़कर फरार हो गया।

सुपौल में लूटकांड का उद्भेदन बाइक के साथ तीन गिरफ्तार

SUPAUL : सुपौल पुलिस ने सदर थाना क्षेत्र में हुए लूटकांड का सफल खुलासा करते हुए घटना में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त अपाची मोटरसाइकिल और अन्य सामान भी बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक सुपौल के निर्देश पर जिले में अपराध नियंत्रण एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 5 मई 2026 को सदर थाना में एक पीड़ित द्वारा आवेदन देकर बताया गया कि देर रात अज्ञात अपराधियों ने उनसे मोबाइल, पर्स में रखे 5 हजार रुपये नकद तथा कार में रखी दो मूर्तियों की लूट कर ली।पीड़ित के आवेदन के आधार पर सदर थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। कांड के त्वरित उद्भेदन एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सुपौल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मानवीय सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी करते हुए मामले में संलिप्त तीन अपरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में रोहित राज उर्फ मुन्ना पाठक, निवासी करिहो वार्ड संख्या-05, इंकेश कुमार निवासी कुम्हेट वार्ड संख्या-10 तथा चंदन कुमार, निवासी गौरवगढ़ वार्ड संख्या-05 थाना एवं जिला सुपौल शामिल है। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक अपाची मोटरसाइकिल और एक घड़ी बरामद की है। पुलिस का कहना है कि इस कांड में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

रानीगंज में कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब हुई बरामद

जब्त शराब के साथ पुलिस पदाधिकारी

ARARIA : जिले की रानीगंज थाना पुलिस ने हांसा वार्ड संख्या 12 स्थित एक ग्रामीण कच्ची सड़क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को ग्रे रंग की कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है।

बरामद कार का रजिस्ट्रेशन नंबर डब्लूबी 06एच 1835 है।पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर कार की डिक्की से कुल 224.25 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई।जब्त शराब और कार को विधिवत थाना लाया गया है।हालांकि वाहन चालक मौके का फायदा उठाकर मकई खेत की ओर भागने में सफल हो गया। पुलिस मामले में अग्रिम कार्रवाई में जुटी गई है तथा फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

एक किलो 480 ग्राम अफीम के साथ महिला समेत दो गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN : बिहार में भारत-नेपाल सीमा के घोड़ासहन में 71वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और घोड़ासहन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए घोड़ासहन बस स्टैंड के पास से एक महिला और एक युवक को 1 किलो 480 ग्राम मादक पदार्थ अफीम के साथ पकड़ा है। उक्त महिला अफीम अपने शरीर मे छुपाकर रखी थी। जिसकी पहचान जितना थाना क्षेत्र के अठमोहान गांव निवासी सुदामा देवी पति पन्नालाल राम उम्र 50 वर्ष वही दूसरा दरपा थाना क्षेत्र के पिपरा गांव निवासी दिलीप कुमार राम पिता रामकिशन राम के रूप में किया गया। दोनो अफीम की खेप लेकर बस से कही और डिलवरी देने जा रहे थे। एसएसबी ने गिरफ्तार दोनो को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद अग्रतर कारवाई के लिए घोड़ासहन थाना को सुपुर्द कर दिया है।

100 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर पकड़ाया, बाइक भी हुई जब्त

AGENCY KISHANGANJ : जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत किशनगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कोचाधामन थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुरुवार को 100.02 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में धनपुरा पिकेट प्रभारी प्रदीप कुमार के नेतृत्व में मस्तान चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। वाहन जांच के दौरान काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल (BR37AN 1124) पर सवार एक युवक को संदिग्ध अवस्था में

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

रोका गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 100.02 ग्राम स्मैक बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया तथा मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान शाहजहान के रूप में हुई है। वह किशनगंज जिले के रामपुर स्थित तीन नंबर रेलवे गुमटी निवासी यूसुफ आलम का पुत्र बताया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद स्मैक कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति कहां की जानी थी। मामले में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसपी संतोष कुमार ने कहा कि जिले में नशे के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं धनपुरा पिकेट प्रभारी एवं उनकी टीम की कार्रवाई की सराहना की गई है।

किशनगंज में 14 को होगा ब्लैकआउट व मॉकड्रिल

AGENCY KISHANGANJ : जिले में संभावित आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से 14 मई को विशेष मॉक ड्रिल और संभावित ब्लैकआउट अभ्यास आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विभिन्न विभागों की टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। जिलाधिकारी विशाल राज ने बताया कि मॉक ड्रिल के दौरान आपदा जैसी परिस्थितियों का कृत्रिम माहौल तैयार किया जाएगा। इसका उद्देश्य किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन दल तथा अन्य संबंधित एजेंसियों की तत्परता और समन्वय क्षमता का आकलन करना है। डीएम ने कहा कि बिजली आपूर्ति, संचार

जिलाधिकारी विशाल राज

व्यवस्था तथा राहत एवं बचाव कार्यों से जुड़े विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। मॉक ड्रिल के दौरान आम लोगों को भी सुरक्षा उपायों और सतर्कता के बारे में जागरूक किया जाएगा। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, अभ्यास के दौरान निर्धारित क्षेत्रों में कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित की जा सकती है। इस दौरान सायरन बजाए जाएंगे, अलर्ट संदेश प्रसारित किए जाएंगे और राहत-बचाव कार्यों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे ब्लैकआउट और मॉक ड्रिल को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा प्रशासन का सहयोग करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी प्रक्रिया केवल सुरक्षा व्यवस्था और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करने के उद्देश्य से की जा रही है। मॉक ड्रिल को सफल बनाने के लिए जिले के विभिन्न विभागों के बीच लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं। सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि इस अभ्यास से आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

राजनीति बिहार सरकार में सबसे अनुभवी मिनिस्टर के तौर पर हुईं शामिल

कम उम्र में हुई थी पति की हत्या, आठवीं बार मंत्री बनीं लेसी सिंह

PHOTON NEWS PURNIA : धमदाहा की जदयू विधायक लेसी सिंह ने गुरुवार को आठवीं बार कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। वह सीएम सम्राट चौधरी की कैबिनेट में सबसे अनुभवी मंत्रियों में शामिल हैं। 2000 से चुनावी राजनीति की शुरूआत करने वालीं लेसी लगातार विधायक बन रही हैं। 52 वर्षीय लेसी सिंह का जन्म 5 जनवरी 1974 को कटिहार जिले के गौआगाछी में हुआ था। हालांकि उनके पिता गंगाशरण सिंह सरसी में बस गए थे। उन्होंने 12वीं तक पढ़ाई की। महज 16 साल की उम्र में उनकी शादी पूर्णिया के धमदाहा निवासी मधुसूदन सिंह उर्फ बूटन सिंह से हुई थी। लेसी सिंह के पति बूटन सिंह की धमदाहा विधानसभा क्षेत्र में तूती बोलती थी। बूटन सिंह की गिनती बाहुबली के रूप में होती थी। उनका आपराधिक इतिहास था।

> मुझे यह अवसर देने के लिए मैं अपने नेता नीतीश कुमार की आभारी हूं। हमारे वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में हम बिहार के विकास के लिए काम करेंगे।
> – लेसी सिंह

लेसी सिंह की फाइल फोटो

पति बूटल सिंह ने भी लड़ा था चुनाव

लेसी सिंह के पति स्व. बूटन सिंह ने 1995 के विधानसभा चुनाव में धमदाहा से समता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। उस समय भी 21 वर्ष की उम्र में लेसी सिंह अपने पति के चुनाव प्रचार के लिए घर से निकल गईं थीं। साल 2000 में समता पार्टी ने ही उनकी पत्नी लेसी सिंह को उम्मीदवार बनाया था और उनकी जीत हुई थी। उस वक्त कोसी और पूर्णिया प्रमंडल में पार्टी को जीत दिलाने वाली वे पार्टी की एकमात्र उम्मीदवार थीं। विधायक बनने के 2 महीने के भीतर ही पति की हत्या कर दी गई। पति की हत्या और विरोधियों के हमलों के बावजूद लेसी सिंह ने सीमांचल समेत पूरे बिहार में अपनी एक अलग पहचान बनाई।

नीतीश की विश्वस्त लेसी सिंह

लेसी सिंह पूर्व सीएम नीतीश कुमार की विस्वस्त मानी जाती हैं। उन्होंने 2006 में लेसी सिंह को जदयू की महिला प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। 2007 में सीएम नीतीश कुमार ने उन्हें राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष बनाया। लेसी सिंह 2010 से लगातार धमदाहा से चुनाव जीत रही हैं। साल 2010 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू के टिकट पर लेसी ने कांग्रेस के इरशाद अहमद खान को 44,697 वोट से हराया था। साल 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में जदयू से लेसी सिंह ने राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के शिवशंकर ठाकुर उर्फ शंकर आजाद को 30,291 वोट से हराया था। महागठबंधन ने 2015 में यह सीट जदयू को दी थी। इसके बाद दिलीप कुमार यादव ने जन अधिकार पार्टी से चुनाव लड़ा और तीसरे नंबर पर रहे। साल 2020 में लेसी सिंह ने फिर जदयू के टिकट पर जीत दर्ज की थी। उन्होंने आरजेडी के दिलीप कुमार यादव को 33,594 वोट से हराया था।

19 अप्रैल 2000 को एक केस के सिलसिले में जेल में बंद समता पार्टी के तत्कालीन जिलाध्यक्ष बूटन सिंह की पूर्णिया कोर्ट में पेशी के दौरान कोर्ट परिसर में ही अपराधियों ने गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। इसके बाद ही लेसी सिंह राजनीति में उतर गई थीं। उस वक्त लेसी सिंह की उम्र 26 वर्ष थी। इलाके में उनकी पहचान आयरन लेडी की मानी जाती है। हालांकि जब वह महज 26 साल की थीं, तभी पति बूटन सिंह की हत्या कर दी गई। पति के गुजरने के बाद ऐसा लगा था कि उनकी राजनीतिक पारी खत्म हो जाएगी लेकिन वह लगातार आगे बढ़ती गईं। लेसी सिंह पहली बार 11 मार्च 2014 को नीतीश कुमार की मंत्रिपरिषद में उद्योग मंत्री बनीं। 21 मार्च 2014 को जीतनराम मांझी की कैबिनेट में समाज कल्याण एवं आपदा प्रबंधन मंत्री बनीं। फरवरी 2015 को नीतीश कुमार की मंत्रिपरिषद में समाज कल्याण एवं आपदा प्रबंधन मंत्री बनीं। 9 फरवरी 2021 को नीतीश कुमार की मंत्रिपरिषद में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बनीं। 16 अगस्त 2022 को नीतीश कुमार की कैबिनेट में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री बनीं।

जितनी बड़ी जीत भरोसे पर खरा उतरने की उतनी बड़ी चुनौती!

मनोज कुमार अग्रवाल

यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था। 2011 में वाम शासन को समाप्त कर सत्ता में आई ममता बनर्जी ने बंगाल की राजनीति को अपनी शैली, अपनी भाषा और अपने संगठन के बल पर चलाया। लेकिन इस बार के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि कोई भी राजनीतिक किला स्थायी नहीं होता। मतदाता जब बदलाव का मन बना लेता है, तो सबसे मजबूत शासन भी कमजोर पड़ सकता है। मतगणना के बाद अनुसार भाजपा ने 206 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि तृणमूल कांग्रेस काफी पीछे रह कर सिर्फ 81 सीट पर जीत हासिल कर सकी है । बंगाल का राजनीतिक इतिहास संघर्ष, विचारधारा और जनभावना से भरा रहा है। कभी वामपंथी राजनीति का मजबूत किला रहे इस राज्य में बाद के वर्षों में तृणमूल कांग्रेस ने अपनी मजबूत पकड़ बनाई। ममता बनर्जी ने लंबे समय तक खुद को बंगाल की जनता की आवाज के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि जनता समय-समय पर सत्ता को परखती है और आवश्यकता पड़ने पर बदलाव का निर्णय भी करती है। इस चुनाव में सामने आए रक्षान बताते हैं कि जनता ने विकास, रोजगार, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही के मुद्दों पर गंभीरता से मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह परिणाम अभूतपूर्व है, क्योंकि जिस राज्य में कभी पार्टी की उपस्थिति सीमित मानी जाती थी, वहां बहुमत की दहलीज तक पहुंचना संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर की तैयारी और राजनीतिक रणनीति की सफलता को दशार्ता है। भाजपा ने पिछले वर्षों में बंगाल के ग्रामीण इलाकों, सीमावर्ती क्षेत्रों, चाय बागान क्षेत्रों, मतुआ समाज, आदिवासी इलाकों और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश की। इस चुनाव में उस मेहनत का असर रुझानों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का विषय है। हकिकत यह कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए लंबे समय तक सत्ता में बने रहना एक बड़ी चुनौती होता है। समय के साथ सत्ता के प्रति जनता की अपेक्षाएं बढ़ती हैं। यदि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्पक्षता जैसे मुद्दों पर लोगों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो

असंतोष धीरे-धीरे जनादेश में बदल जाता है। बंगाल में भी एंटी-इंकंवेंसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई प्रतीत होती है। तृणमूल के कई मजबूत नेताओं की हार या पिछड़ना इस बात का संकेत है कि जनता ने केवल पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि स्थानीय प्रदर्शन और जनसंपर्क के आधार पर भी मतदान किया है। इस बदलाव की पहली बड़ी वजह मतदाता सूची की पुनर्समीक्षा रही। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद राज्य की मतदाता सूची से करीब 91 लाख नाम हटाए गए है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर 24 परगना जैसे जिलों में बड़ी संख्या में नाम हटे, जिन्हें तृणमूल कांग्रेस के मजबूत इलाकों में गिना जाता रहा है। चुनाव आयोग की दृष्टि से यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए थी, लेकिन राजनीतिक दृष्टि से इसका असर बहुत गहरा दिखाई दिया। टीएमसी का पारंपरिक सामाजिक समीकरण कमजोर पड़ा और भाजपा को इसका लाभ मिला। दूसरी अहम वजह बंगाली अस्मिता की लड़ाई रही। ममता बनर्जी लंबे समय से भाजपा को बाहरी बताकर बंगाल की की संस्कृति, भाषा और खानपान से जोड़कर राजनीति करती रही हैं। लेकिन भाजपा ने इस बार इस प्रतीक को अपने खिलाफ हथियार बनने नहीं दिया। उसने यह संदेश देने की कोशिश की कि उसका हिंदुत्व बंगाल की संस्कृति से टकराता नहीं, बल्कि बंगाल की शाक्त परंपरा, मां काली की उपासना और स्थानीय जीवनशैली के साथ चल सकता है। यही वह मोड़ था जहां ममता बनर्जी का सांस्कृतिक एकाधिकार कमजोर पड़ा। तीसरी वजह पहचान और ध्रुवीकरण की राजनीति रही। बंगाल में पहले भी धार्मिक पहचान चुनावी विमर्श का हिस्सा रही है, लेकिन इस बार भाजपा ने इसे अधिक आक्रामक ढंग से उठाया। तृणमूल कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए भाजपा ने हिंदू मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने की कोशिश की। काली बनाम काबा जैसे नारों ने चुनावी बहस को भावनात्मक और धार्मिक पहचान की दिशा में मोड़ दिया। यह राजनीति विवादास्पद हो सकती है, लेकिन चुनावी दृष्टि से इसका असर साफ दिखा। जिन इलाकों में हिंदू मतों का बिखराव था, वहां भाजपा ने उन्हें अपने पक्ष में संगठित करने में सफलता पई। चौथी वजह युवा मतदाताओं की आकांक्षा रही। बंगाल का एक बड़ा युवा वर्ग पिछले पंद्रह वर्षों से तृणमूल शासन के वातावरण में बड़ा हुआ। इस पीढ़ी के सामने सवाल केवल नकद सहायता योजनाओं या स्थानीय लाभों का नहीं था, बल्कि रोजगार, उद्योग, निवेश और बेहतर भविष्य का था। भाजपा ने सोनार बांग्ला और डबल इंजन सरकार के नारे के जरिए इसी आकांक्षा को छुआ। यह संदेश दिया गया कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने से निवेश, आधारभूत ढांचा और रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। मतुआ समुदाय के बीच नागरिकता के मुद्दे को उठाकर भाजपा ने एक और महत्वपूर्ण सामाजिक आधार को अपने पक्ष में मजबूत किया। पांचवीं वजह कांग्रेस और वाम दलों की राजनीतिक अनुपस्थिति रही। बंगाल की राजनीति कभी वामपंथ का गढ़ थी। कांग्रेस भी लंबे समय तक राज्य में प्रभावशाली रही। लेकिन इस चुनाव में मुकाबला लगभग सीधे भाजपा और टीएमसी के बीच सिमट गया। जब तीसरी ताकत कमजोर हो जाती है, तो सत्ता विरोधी वोट सीधे सबसे मजबूत विपक्षी दल को मिलते हैं। भाजपा को यही लाभ मिला। 2021 में जिन सीटों पर भाजपा मामुली अंतर से हार गई थी, इस बार वोट स्विंग ने उन सीटों को उसके पक्ष में मोड़ दिया। हालांकि इस जनादेश को केवल भाजपा की जीत और तृणमूल की हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह बंगाल के मतदाता का संदेश भी है कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन वे शासन की कमियों, रोजगार की कमी, भ्रष्टाचार के आरोपों और संगठनात्मक अहंकार की भरपाई हमेशा नहीं कर सकीं। ममता बनर्जी ने बंगाल को वाम शासन से बाहर निकालकर नई दिशा दी थी, लेकिन लंबी सत्ता अपने साथ थकान भी लाती है। सत्ता जब संगठन से बड़ी हो जाती है, तो जनता विकल्प तलाशने लगती है। भाजपा के लिए यह जीत जितनी बड़ी है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। बंगाल केवल एक चुनावी राज्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, बौद्धिक और राजनीतिक चेतना की भूमि है। यहां शासन करना केवल बहुमत से संभव नहीं होगा। भाजपा को यह साबित करना होगा कि वह बंगाल की भाषा, संस्कृति, विविधता और सामाजिक संतुलन का सम्मान करते हुए विकास का मौडल दे सकती है। यदि वह केवल ध्रुवीकरण तक सीमित रही, तो यह जनादेश जल्द ही चुनौती में बदल सकता है। बंगाल का यह चुनाव बताता है कि लोकतंत्र में कोई भी सत्ता स्थायी नहीं होती। जनता चुप रहती है, देखती है, परखती है और समय आने पर फैसला सुनाती है। 2026 के इसी फैसले की गूंज हैं। यह बदलाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति के नए अध्याय की शुरूआत के लिए है राज्य में संदेश खाली और आरजीकर कालेज की बर्बरतापूर्ण अपराधिक वारदातों के बाद महिलाओं में असुरक्षा की भावना घर कर गई थी वही पिछले एक दशक में तीन सौ से अधिक भाजपा व हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता हिंसा का शिकार बने राज्य में कानून व्यवस्था का लगातार पतन अराजकता का माहौल आम जनमानस को सरकार के खिलाफ उद्वेलित कर रहा था जिस का भाजपा के चाणक्य अमित शाह और पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने कुशलता भरी संगठित नीति बद्ध तैयारी से भाजपा जीत का रास्ता तैयार हुआ अब चुनाव परिणाम के बाद जिस तरह लगातार हिंसा की वारदातों की झड़ी लगी है और तीन लोगों की जान जा चुकी है यह चिंता जनक है ।बंगाल की सत्ता में आने पर भाजपा की जिम्मेदारी है कि उसे अपने कार्यकताओं को टीएमसी सरीखा बनने से बचाना है और इस विशाल जनमत का सम्मान करते हुए प्रदेश के विकास और भविष्य की दिशा में काम करना है ताकि बंगाल के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

संपादकीय

चेतावनी के धमाके

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड ?यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड ?यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा। यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ह्यह्यपीठ में छूरा घोंपनाह्लह्ल बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरूआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत का संकेत दे रहा है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Op Sindoor enforced our red lines

ONE year ago, on the night of May 6-7, 2025, India carried out precision strikes on nine terrorist targets in Pakistan, including the headquarters of Lashkar-e-Taiba at Muridke and of Jaish-e-Mohammed at Bahawalpur. This came in response to the horrific massacre of Indian tourists in Pahalgam by terrorists linked to Lashkar-e-Taiba. Code-named Operation Sindoor, it marked a new phase in India's resolve to enforce its counterterrorism red lines.The crisis escalated as Pakistan launched hundreds of drones into Indian airspace. As the fighting continued, the Indian Air Force carried out damaging strikes on Pakistani airbases at Chaklala, Rafiqui, Rahim Yar Khan, Sargodha, Bholari and Jacobabad on the night of May 9-10. On May 10, Pakistan's Director General of Military Operations called up his Indian counterpart with a request for a ceasefire, which was accepted.Operation Sindoor lasted only 88 hours, but its brevity should not be confused with limited significance. It offers important lessons for how the Indian military should prepare for the next crisis with Pakistan. Four imperatives stand out.

The first is an intense and compressed battle cycle. Operation Sindoor demonstrated how quickly a crisis can escalate, both vertically through the expanding use of force and horizontally across a wider geography. While the operation was largely confined to the land and air domains, the next crisis could extend to the maritime domain, with naval forces playing a more active role. The geography of conflict will also expand into the digital realm, with cyber operations targeting critical infrastructure.In such a conflict, war will no longer unfold in a neat sequence. Intelligence, targeting, precision strike, air defence, drone warfare, escalation management, diplomatic outreach and information operations will occur almost simultaneously. This demands a high state of military readiness as the side that enters the crisis with prepared options will enjoy a decisive advantage over the side that improvises under pressure.This is also where jointness will be tested. In a short, high-intensity conflict, delays caused by service silos can become strategic vulnerabilities. What is essential is integrated planning, common target folders, interoperable communications, shared situational awareness and pre-agreed escalation options. Jointness, therefore, must not be treated as a fashionable slogan but the fundamental operational grammar of the compressed battle cycle.Second, new technologies are no longer lessons to be drawn from distant wars but are already present on our battlefields. Operation Sindoor was described as South Asia's first drone war. In the year since, we are seeing a much greater induction of drones in the inventories of both militaries. Drone warfare will be central in the next conflict.Future crises are also likely to see greater use of long-range standoff weapons and precision missiles, allowing air forces to strike without crossing borders. Because such attacks are launched from a distance and viewed on screens far from the battlefield, they can appear controlled, clinical and almost risk-free. That makes them politically attractive. But this perception is dangerous. When both sides believe they can strike from afar without paying an immediate price, the threshold for using force may lower, and escalation can become faster.

Third, information warfare is no longer a sideshow, but a central theatre of conflict. In Operation Sindoor, even as kinetic strikes were being carried out, a fierce parallel battle of perceptions unfolded across television screens, media outlets and social networks. The information space was flooded with fake news, exaggerated claims, misinformation and disinformation.

State verdicts redraw India's political map

After the defeat of the TMC and the DMK, the

The verdict in the four states (Assam, Kerala, Tamil Nadu and West Bengal) and Puducherry has resulted in a change in governments in three states (West Bengal, Kerala and TN) and the retention of the governments in two states (Assam and Puducherry). These verdicts will have deep implications for national politics. They indicate that for winning elections, parties need a combination of factors: leadership, party workers on the ground, strategy of political mobilisation, picking up the right issue to connect with the voters, work done by the government and a credible promise to voters. The results indicate that welfare schemes or freebies alone may not guarantee the victory for a party.These victories have helped the BJP form the government in one more state and the party has moved ahead in establishing its political dominance. The defeat of two strong regional parties which had posed strong resistance to the BJP -- the Trinamool Congress in West Bengal and the DMK in Tamil Nadu -- raises the bigger question about the future of regional parties in Indian politics in the coming years.

It also raises the question about the path ahead for the INDIA alliance partners since two of its strong allies, the TMC and the DMK, are not as strong as they were before the elections. This fact is important as from INDIA alliance's point of view, two important states -- UP and Punjab -- go to the polls early next year and other states like Uttarakhand, Goa, Manipur, Gujarat and Himachal Pradesh having elections later.The NDA retained power in Assam and Puducherry, where it was the incumbent party. Not only did the NDA register a massive victory in Assam, winning 102 of the 126 seats, the BJP alone managed to get a majority, winning 82 seats with a 37.8% vote share. Considering that the incumbent governments lost power (Kerala, TN and West Bengal), this is a significant achievement for the ruling NDA alliance in these two states. While many factors contributed to the victory of the NDA alliance in these two states, it should be seen as an endorsement of the work done by the ruling NDA alliance in these states.The defeat of the LDF government in Kerala, the DMK alliance government in TN and the TMC government in West Bengal is a clear sign of strong anti-incumbency due to increased dissatisfaction of the voters with the governance in these states. One should not forget that the TMC was in power in West Bengal for 15 years while both the LDF in Kerala and DMK alliance in TN were in power for the last one decade.But there is no thumb rule of anti-incumbency if a party has been in power for very long. We have seen governments being in power for very long periods. The Left front had been in power in West Bengal for a long 34 years (1977-2011). The BJP has been in power in Gujarat since 1998, the Sikkim Democratic Front ruled Sikkim for 25 years ((1994-2019) and the Biju Janata Dal was in power in Odisha for 24 years (since 2000) before being defeated in 2024.But a big negative swing of votes against the TMC in West Bengal, the DMK alliance in TN and the LDF in Kerala is a sign of dissatisfaction with the incumbent parties in these states. In Bengal, the TMC vote share declined by 8.2%. In TN, the DMK alliance vote share declined by 13.9% while in Kerala, the vote share of the LDF declined by 7.6%.

Impact on national politics

The victory in Bengal is extremely significant for the BJP as the party had faced strong resistance from the TMC in the past. This victory has also helped the BJP in expanding its political wings. Now, the BJP, either alone or with allies, is the ruling party in 22 states. These states account for nearly 78% of the country's population. This is not a small achievement for the BJP which had governments only in seven states when it formed the government at the Centre in 2014.In 2014, the Congress, either alone or with its allies, was in power in 14 states while the regional parties were in power in seven states. Twelve years later, in 2026, the Congress and its allies have governments in six states while the regional parties have governments in three states.It is also important to note that except for Jharkhand, where the Jharkhand Mukti Morch, along with its allies, is in the government, none of the INDIA alliance partners are in government in any other state. Not that the parties can't play an important role in politics while being in the opposition. They can. But there is a huge difference in the morale of leaders and party workers when in government and in opposition.The Congress has lost elections in Assam, but there was very little hope for the party in Assam. In Bengal, it was almost a non-entity while in TN, it was a junior partner in the DMK alliance. But the victory in Kerala is important for the Congress for two reasons. One, the party will have a government in one more state. So these elections add to the tally of Congress's own governments. Second, after the defeat of the TMC and the DMK, the Congress's victory could help the INDIA alliance settle the question of who should lead the alliance, a question which keeps popping up now and then. At least for a few years.

Heat and storms: Region grappling with a volatile climate cycle

The region is grappling with a volatile climate cycle, with early heat stress followed by erratic storms

A shower of hailstones in May in parts of Punjab, including Chandigarh, is a clear indication that shifting weather patterns are becoming the norm across North India. Unseasonal rain and high-velocity winds have once again exposed the fragility of the region's farm economy. Coming as wheat procurement peaks, the damage is not in the fields alone but also in mandis, where vast quantities of grain lie in the open, vulnerable to moisture and spoilage. For farmers, this is a cruel post-harvest blow: the crop is sold, but its value is suddenly uncertain. Procurement at MSP has expanded, but storage and logistics have not kept pace. Agencies such as the Food Corporation of India continue to rely on inadequate covered facilities, while delayed lifting leaves grain exposed to the elements. Temporary fixes — tarpaulin sheets and ad hoc stacking — are no substitute for modern, weather-resilient infrastructure.The region is grappling with a volatile climate cycle, with early heat stress followed by erratic storms. Such swings also threaten the upcoming paddy season, where soil conditions and power-dependent irrigation will be critical. Meanwhile, wind damage to rural power lines has added another layer of uncertainty ahead of peak agricultural demand. Soaring temperatures are already pushing up power demand and straining water resources. In the hills of Himachal, the same weather pattern carries different risks, including landslides, disrupted tourism and potential harm to horticulture, particularly fruit crops at a sensitive stage.

The region, heavily dependent on agriculture, stands particularly vulnerable. What is needed is a coordinated, forward-looking approach. State governments must invest in climate-resilient agriculture, strengthen localised forecasting systems and ensure that advisories actually reach farmers in real time. Inter-state coordination, too, is essential, given the shared ecological and economic landscape.

Dent in Muslim vote bank hurt TMC

Some Muslims in Bengal seem convinced that voting for 'secular' parties will not protect them

WHEN Mamata Banerjee returned to power in 2021, with over 48.5% votes for the Trinamool Congress (TMC), it was clear that she had ridden a wave of support from West Bengal's Muslim voters. The BJP had garnered a vote share of 38%, almost all of which would have come from the state's 70% Hindu population. It meant that the TMC would have, at best, got 30% of its votes from Hindus and the remaining 18.5% from Muslims. This suggested that nearly 70% of the Muslim voters backed Mamata in 2021.This time, when the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls disenfranchised 27 lakh living, breathing voters in West Bengal, the TMC alleged that this was meant to target its supporters. The evidence indicated that Muslims might have been disproportionately affected in the final exercise, and it is highly likely that these people would have voted for the TMC in previous elections.

Despite SIR removing dead and living voters, the actual turnout was much higher than in 2021. Nearly 35 lakh more people voted in 2026. Both the BJP and TMC saw this as a sign of their impending victory. The BJP argued that the Election Commission of India (ECI) had made voting safe and people had come out in larger numbers to defeat the incumbent. The TMC claimed that the high turnout was because voters, especially Muslims, wanted to defeat the partisan SIR process.

Some of the highest turnouts were recorded in the very seats most affected by SIR deletions. One reason for this was that the number of voters had fallen, reducing the denominator. But several political pundits, and reporters on the ground, argued that Muslims had come out to vote in larger numbers because they were scared that a BJP victory would endanger their very existence as citizens of India.The general consensus was that the TMC's share of Muslim votes would rise further, as Muslims had consolidated behind the party, most likely to keep the BJP out of Bengal. Some West Bengal watchers calculated that if another 15-16% of Muslims were to vote for Mamata, her overall vote share would rise by 5 percentage points, counteracting any potential slide in Hindu votes.As it turned out, the TMC's vote share slipped by 7.5 percentage points. If one assumes a Muslim consolidation behind Mamata, then it would follow that there was a drop of 10-11 percentage points in Hindu votes for the TMC.But a closer look at the voting pattern in the seats with high Muslim population punctures this picture. There are at least 32 seats in Bengal where Muslims account for more than 50% of the electorate. The estimate by pollsters is higher — 38-42 seats — but these 32 are on most lists. The TMC had won all 32 in 2021, and got an unassailable 57.7% vote share. This time, its vote share in these constituencies dropped to 41.4% — a massive decline of 16.3 percentage points.Was this because of the deletion of Muslim voters during the SIR process? That didn't affect the final turnout in these seats, which was 4.9 lakh — 7.6% higher than in 2021. Neither did the TMC lose its votes entirely to the BJP. In fact, the BJP's vote share in these seats rose by only 4.6 percentage points, from 22.1% in 2021 to 26.7%. If we assume that most of these were Hindus who had voted for the TMC last time, then there's still another 11-12% of the TMC's votes — mostly Muslim — which went to others.The largest chunk moved to the Congress and the Left-ISF (Indian Secular Front) combine. These three parties had fought together in 2021 and polled 15.9% of the votes in these 32 seats. This time, their combined vote share — although they fought separately — rose to 23.3%. That's a gain of 7.4 percentage points, and most of this would have been Muslim votes that switched from the TMC. This points to a growing acceptance among Muslims, in these seats, of the ISF led by Pirzada Naushad Siddiqui of the Furfura Sharif shrine.The TMC also lost votes to

Humayun Kabir's Aam Janata Unnayan Party (AJUP). Kabir was part of the Trinamool till last December, when he was suspended for planning to build a 'Babri Masjid' in Bengal. Back then, the TMC had accused him of trying to cause communal polarisation in cahoots with the BJP. Indeed, Kabir had joined the BJP in 2018 and even fought the 2019 Lok Sabha elections from Murshidabad on the BJP ticket.

This time, he contested the elections as his own party's candidate. Just a few weeks before voting, the TMC alleged that it had caught Kabir in a sting operation, asking for money to get Muslim voters to back him. Although Kabir denied it, many believed that this was enough to defang the AJUP factor. The reality turned out to be very different. The AJUP won two of these 32 seats, and took away 3-4% of the TMC's Muslim votes.

It is tempting to put this down to Muslims being fed up of 'appeasement' and 'vote bank' politics. The truth could be much more worrying. Even though Siddiqui and Sharif claim to represent everyone, the thrust of their rhetoric is sectarian. Their success suggests that a section of Muslims have moved towards parties which focus only on their concerns as Muslims. That is where they feel safe, at a time when they are being threatened not just with disenfranchisement but also losing their citizenship.Even when they know that parties like the AJUP and the ISF cannot fight the BJP at the state level, they are willing to vote for them in places where Muslims are in majority.This is an unexpected collateral damage of the SIR process. A section of Muslims in Bengal appears to be convinced that voting for the so-called 'secular' parties will not protect them — they have to organise through overtly 'Muslim' parties. This is an unfortunate descent into ghettoisation that West Bengal had evaded till now.

Srinivasan, Singh asked to leave Tata Education Trust

New Delhi.(Agency)

In a further escalation of the rift within the Tata Trusts — set to meet on Friday to appoint their nominees to the board of Tata Sons — vice-chairmen Venu Srinivasan and Vijay Singh have been asked to step down from the Tata Education and Development Trust (TEDT) at the end of their current term.

The decision follows a vote earlier this week in which trustees Mehli Mistry and JN Mistry opposed their reappointments to the little-known trust.

While the Tata Trusts did not officially confirm the development, a source familiar with the matter told on Wednesday that Siddharth Sharma, chief executive of Tata Trusts — which owns 66.4% of Tata Sons — has asked Srinivasan and Singh to relinquish their trusteeships by May 10, when their current terms end. The request was conveyed through separate emails sent earlier in the day, the source added.

Under the articles of association of the Tata Education and Development Trust, as well as the Maharashtra Public Trusts Act, 1950, appointments and reappointments of trustees require unanimity. In this instance, the opposition from the two Mistrys effectively blocked the reappointments, prompting Sharma to ask Srinivasan and Singh to step down.

The trust had met on May 3 to consider their reappointments. While Srinivasan and Singh voted in favour of each other, Tata Trusts chairman Noel Tata did not cast his vote at the time, the source said.

The development marks a fresh flashpoint in the internal discord within the Tata Trusts, coming just days ahead of a crucial board meeting on May 8 that is expected to take a call on the reappointment of Tata Sons chairman N. Chandrasekaran for a third term.

Paytm turns profitable for first time, posts Rs 552 crore profit in Fy26

New Delhi.(Agency)

Paytm on Wednesday reported its first-ever full-year profit, posting a profit after tax of Rs 552 crore for FY2026, a milestone that marks a significant turnaround for the payments company after years of losses that deepened following the regulatory shutdown of its banking arm in early 2024.The company reported revenue of Rs 8,437 crore for the full year, up 22% year-on-year, driven by market share gains in both merchant and consumer payments and a fast-growing financial services distribution business.

For the January–March quarter, operating revenue stood at Rs 2,264 crore, up 18% on a reported basis. Net profit for the quarter came in at Rs 183 crore, an improvement of Rs 370 crore year-on-year on a comparable basis.

The clearest growth story in the results was on UPI. Paytm's consumer UPI gross transaction value grew 46% year-on-year in Q4 FY26 — more than twice the industry growth rate of 21% — with the company gaining UPI market share every single month through FY2026. Monthly transacting users expanded by 50 lakh over the year to reach 7.7 crore.

On the merchant side, GMV growth accelerated from 24% in the December quarter to 27% in the March quarter. Subscription merchants reached 1.51 crore, with 27 lakh net additions over the year. Payment processing margins held above 4 basis points, helped by rising volumes in credit cards on UPI and EMI-based affordability products.

Reliance to shut refinery units for maintenance; Govt assures no supply disruption

New Delhi.(Agency)

Reliance Industries is likely to shut several units at its 660,000 barrels per day refinery for scheduled maintenance for three to four weeks, a petroleum ministry official said on Wednesday.Speaking at the daily inter-ministerial press briefing, Joint Secretary Sujata Sharma said all refineries undergo periodic annual maintenance, but the government ensures that shutdowns are staggered. According to the official, the shutdown will begin after Nayara Energy resumes operations later this month. Nayara's 400,000 bpd Vadinar refinery, which has been closed since early April 2026, is set to resume by mid-May.

"All refineries go for maintenance shutdown… we ensure it does not hamper production or impact people in the country," Sharma said.

Reliance Industries operates the Jamnagar complex in Gujarat, the world's largest single-site refining hub, with a capacity of 1.24 million barrels per day. The company accounts for more than 70% of India's refined product exports and supplies fuel to markets including Europe and the United States.

According to reports, Reliance Industries plans to shut a crude processing unit along with several secondary units at the refinery for routine maintenance. The planned outage is expected to last between three and four weeks.

Meanwhile, crude prices in the international market fell below $100 after U.S. President Donald Trump indicated a halt to "Project Freedom," a naval effort to escort vessels through the Strait of Hormuz, suggesting progress toward a final agreement with Iran. Brent crude fell 10% to $98 per barrel, while WTI dropped more than 12% to $89. Reports suggested that the U.S. and Iran are discussing a one-page memorandum to pause tensions in the Hormuz region. At 17:56 PM IST, Brent was trading at $101.4 per barrel, while WTI stood at $93.65 per barrel.

Bought a car above Rs 10 lakh? You may be missing this tax credit

New Delhi.(Agency)

Buying a car worth more than Rs 10 lakh does not just mean a bigger EMI or higher insurance bill. It may also mean you have already paid an extra tax amount that many buyers either forget about or never claim while filing income tax returns.

Every time a customer buys a car priced above Rs 10 lakh, the dealer collects 1% TCS (Tax Collected at Source) and deposits it with the government against the buyer's PAN.The problem is that many people either do not notice this amount on their invoice or fail to check whether it has been credited properly in their tax records.As a result, several taxpayers may be missing out on a tax credit that could either reduce their final tax outgo or increase their refund at the time of filing ITR.

Under Section 206C(1F) of the Income Tax Act, car dealers are required to collect 1% TCS on the sale of motor vehicles priced above Rs 10 lakh.

This amount is collected from the buyer at the time of purchase and deposited with the government against the buyer's PAN number.

For example, if someone buys a car worth Rs 15 lakh, the dealer will collect Rs 15,000 as TCS.

IS IT A REFUND OR A TAX CREDIT?

This is where many buyers get confused.TCS is not a separate cashback or direct government benefit. It is treated as a tax credit, similar to TDS.

This means the amount gets adjusted against the buyer's final tax liability at the time of filing ITR.If the total tax already paid — including TCS, TDS and advance tax — is higher than the actual tax liability, the excess amount may come back as a refund.However, if tax liability is higher, the TCS amount simply gets adjusted against dues.

➤WHERE CAN YOU CHECK THIS AMOUNT?

➤The TCS collected during car purchase usually appears in:

➤Form 26AS

➤Annual Information Statement (AIS)

Since it is linked to the buyer's PAN, taxpayers can verify whether the dealer has deposited the amount correctly.

WHY MANY PEOPLE MISS IT

Tax experts say many buyers are unaware that the extra amount collected during vehicle purchase can later be adjusted while filing returns.

➤In some cases:

➤buyers do not check Form 26AS

➤PAN details may not be updated properly

➤or people simply forget to include the credit while filing ITR.

Some buyers who are not regular taxpayers may also not realise that filing returns is necessary to claim any excess tax paid.

WHAT SHOULD CAR BUYERS DO?

➤People who purchased vehicles above Rs 10 lakh should:

➤keep the purchase invoice safely

➤ensure the correct PAN was shared with the dealer

➤check Form 26AS or AIS before filing ITR

➤and verify whether the TCS amount is reflecting correctly.

While filing returns, the amount should automatically appear under taxes already paid if it has been deposited properly.

Sensex, Nifty edge higher as softer crude lifts Dalal Street mood

New Delhi.(Agency)

Stock markets opened slightly higher on Thursday, extending gains from the previous session as easing crude oil prices and positive global cues supported investor sentiment.The BSE Sensex rose 27.75 points, or 0.04%, to 77,986.27 in early trade, while the Nifty 50 gained 19.30 points, or 0.08%, to trade at 24,350.25 around 9:30 am.

Markets were supported by optimism around a possible US-Iran peace deal, which has helped cool crude oil prices after sharp volatility in recent sessions.

Dr VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Investments Limited, said investors should continue tracking developments in the AI trade and the West Asia conflict.

"Despite the West Asia geopolitical tensions, the US market is at record highs and the AI trade is continuing unabated. Two stocks in South Korea and one in Taiwan are powering the AI trade in these countries," he said.

He added that continued foreign investor selling in India should be viewed in the context of global AI-driven market concentration.

OIL PRICES REMAIN KEY FOCUS

Brent crude was trading near $102.10 per barrel, while WTI crude stood at $95.87 in early trade.Oil prices had fallen sharply in the previous session after reports suggested that the US and Iran were moving closer to a possible agreement to end the conflict. Lower crude oil prices are seen as positive for India, which imports a large part of its energy needs.

Cooling oil prices help reduce inflation pressures and improve the outlook for economic growth and corporate earnings.

AUTO STOCKS LEAD MARKET GAINS

Among sectoral indices, auto stocks led the gains in early trade.The Nifty Auto index rose 1.19%, making it the top-performing sector. Shares of Mahindra & Mahindra climbed 1.42%, while Maruti Suzuki gained 0.50%.

Metal and media stocks also saw buying interest, with the Nifty Metal index rising 0.49% and Nifty Media gaining 0.48%.On the other hand, FMCG and IT stocks traded under pressure. Hindustan Unilever fell 0.79%, while TCS declined 1.18% and Tech Mahindra slipped 0.45%.

India GCCs expand AI, product and governance roles for global enterprises

BENGALURU.(Agency)

India's global capability centres (GCCs) are taking on larger roles in artificial intelligence, product development and enterprise decision-making, with nearly half of all new GCCs since 2021 built around AI from the outset, according to a Nasscom-Zinnov report.

India currently hosts 2,117 GCCs operating across 3,728 units and employing around 2.36 million professionals as of FY26, the report said. The number of GCCs has grown 32% since FY21, while the sector's total market revenue has reached $98.4 billion. Around 506 Forbes Global 2000 companies now run operations from India.

The report said more than 1,200 GCCs in India have embedded artificial intelligence and

machine learning capabilities, supported by over 250 dedicated centres of excellence and a workforce of 250,000 AI professionals. Nearly half of the GCCs established since FY21 were launched with AI as a core focus.

It added that GCCs are moving beyond pilot AI projects and are deploying AI across products, internal operations and customer offerings. The report said discussions within companies had shifted from the potential uses of AI to questions around governance and economic viability at scale.

The study found that nearly 50% of GCCs in India now operate at a high maturity stage, with 96% of GCCs established after FY21 launching with a product or portfolio mandate. It also said 64% of GCC site leaders now hold dual mandates combining global functional ownership with site leadership responsibilities, including cybersecurity and AI governance.

"India's GCC ecosystem is undergoing a fundamental reset. The shift from scale to value is now well underway, with AI acting as the catalyst," Rajesh Nambiar, President, Nasscom, said in a statement.

Zee files $3 million lawsuit against Reliance-Disney joint venture

New Delhi.(Agency)

Zee Entertainment Enterprises Ltd (ZEEL) has filed a lawsuit against the Reliance-Disney joint venture in which it has alleging unauthorised use of its copyrighted music after licensing agreements expired. According to court documents seen by Reuters, the suit was filed in New Delhi on April 14 and it seeks $3 million in damages.

ZEEL claims that the JV, now operating as JioStar, used its music content across its TV channels and streaming platform without valid licences. Zee said that it works were used at least 50 times after agreements lapsed in 2024 and 2025 and were not renewed due to commercial disagreements. "The illegal exploitation thereof amounted to copyright infringement," said ZEEL while urging the court to restrain any ongoing usage.

Zee and Reliance-Disney venture is yet to comment on the suit.

The dispute represents the newest clash between Zee and JioStar, the $8.5 billion media joint venture created by Reliance Industries and Disney in 2024. It underscores growing tensions over content rights as India's media sector undergoes rapid consolidation.

The issue surfaced briefly in court on Tuesday, with the judge ordering JioStar to prevent any additional violations of Zee's content and to act within 15 days, according to a source familiar with the proceedings who spoke to Reuters.

DA hike: Why did bank employees get only 0.70% while govt staff received 2%?

A small DA hike for bank staff and a bigger one for government employees, has raised eyebrows. But is the difference unfair, or is there more to the calculation behind the scenes? Let us know here.

New Delhi.(Agency)

A colleague recently pointed this out over tea, "Government employees got a 2% DA hike, but bank staff only got 0.70%. Isn't that unfair?"It's a fair question. On the surface, the difference looks striking. But once you dig a little deeper, the story is less about inequality and more about how the system works.

SAME INFLATION, DIFFERENT CALCULATION STYLES

Both bank employees and central government staff get Dearness Allowance (DA) based on inflation. The common base? The Consumer Price Index for Industrial Workers (CPI-IW).

As Adhil Shetty, CEO, Bankbazaar, explains, the gap comes from how this data is used. "Bank DA is revised quarterly and reflects incremental CPI-IW changes, so each increase is smaller. The central government DA is revised twice a year using a 12-month average, which aggregates multiple months of inflation into one adjustment."In simple terms, bank employees get smaller, more frequent updates, while central government staff get fewer but larger jumps.

WHY BANK DA CHANGES FEEL SMALLER

The latest revision increased bank DA from 25% to 25.70% for May–July 2026—a 0.70% rise. It may look modest, but it reflects only a three-month inflation movement.Central government employees, on the other hand, saw their DA rise from 58% to 60%, i.e., a 2% jump. But that figure

includes inflation trends accumulated over a longer period.Shetty puts it neatly: "Central government DA uses a 12-month average, which smoothens short-term fluctuations and leads to more stable adjustments."So, while the number looks bigger, it's also covering a longer stretch of time.

DIFFERENT SYSTEMS, DIFFERENT TIMELINES

Another key reason lies in how pay structures are set.Government employees follow the Central Pay Commission framework, where DA is revised twice a year, i.e., January and July.

Bank employees, however, operate under Bipartite Settlements between the Indian Banks' Association and unions. This system allows for quarterly revisions."Bank and central government employees sit under entirely different pay-setting structures," Shetty explains, adding that this is what drives the difference in revision frequency.

WHAT IT MEANS FOR EMPLOYEES

For bank employees, the advantage is that their DA responds faster to recent inflation trends. Even if each increase is smaller, adjustments happen more regularly.For government staff, the benefit is larger, more visible hikes, but spaced out over time.

India to help Nepal with cheap fertiliser even as PM Balen raises Lipulekh dispute

Nepal, under PM Balen Shah, has revived its push over the contested Lipulekh Pass. At the same time, India, which is absorbing soaring global fertiliser costs, is helping Nepal by supplying urea and DAP at below-market prices. New Delhi is providing Kathmandu a crucial economic lifeline at a time when Nepal is facing a fertiliser shortage ahead of the planting season.

New Delhi.(Agency)

With the US-Iran war having driven up the price of fertilisers, an essential input in modern agriculture, India is reportedly stepping up to provide its Himalayan neighbour, Nepal, with fertilisers at below global prices, even as it is paying double the price to acquire the same.

This comes even as Nepal, under the leadership of Prime Minister Balen Shah, is raising up a diplomatic stink over the Lipulekh Pass, used by the pilgrims of the Kailash Manasarovar yatra. The pass has always been Indian territory, since the days of the British Raj, but Nepal has claimed it for three decades.According to a report in the Nepal-based paper, The Kathmandu Post, the government on Monday granted in-principle approval to the Agriculture Inputs Company (a state-owned enterprise responsible for supplying the nation's farmers with inputs like fertilisers) to procure 80,000 tonnes of chemical fertiliser from India under a government-to-government (G2G) arrangement.

NEPAL FACES FERTILISER SHORTFALL AHEAD OF PLANTATION SEASON

This deal comes as Nepal faces a shortfall of fertiliser supplies ahead of the country's plantation season. While the government had projected a requirement of 250,000

tonnes of chemical fertilisers, it only had 171,000 tonnes in stock, with further contracts for 94,450 tonnes from private tenders unlikely to materialise, The Kathmandu Post reported.

Speaking to the paper, Ram Krishna Shrestha, joint secretary at the Ministry of Agriculture and Livestock Development, stated that given the current global prices of chemical fertilisers, "It is beyond the government's capacity to fully subsidise fertiliser at current global prices, as it would require nearly Rs 80 billion".

Currently, the price of urea and Di-ammonium Phosphate (DAP) is Rs 160 and Rs 162 per kg, respectively.

In response, the Agriculture Inputs Company, moved to sign a G2G agreement with India's state-owned Rashtriya Chemicals and Fertilisers Limited to acquire 60,000 tonnes of urea and 20,000 tonnes of DAP at below market prices. The G2G deal comes as the current amount of Rs 28.82 billion, allocated by Nepal to import half a million tonnes of fertiliser via private tenders, is no longer enough as the global price of these inputs keeps increasing, The Kathmandu Post reported.The purchase is being made as part of an MoU signed between Delhi and Kathmandu in 2022, wherein India agreed to guarantee at least 30% of Nepal's annual fertiliser requirement, with volumes rising from 150,000 tonnes in the first year to 210,000 tonnes by the fifth year, reported The Kathmandu Post.

Delhi CM moots firefighting master plan, more stations and staff

New Delhi.(Agency)

Amid recent fire incidents across the capital, the Delhi government is preparing a comprehensive Fire Fighting Master Plan to prevent such tragedies and minimise loss of life and property.

CM Rekha Gupta has directed all departments to submit a detailed blueprint within 10 days, identifying causes, vulnerable zones, systemic gaps and preventive measures. She also stressed immediate public awareness efforts on fire safety.Treating fire prevention as a priority, the chief minister chaired a high-level meeting at the Delhi Secretariat on Wednesday. Officials reviewed the current fire safety situation, key challenges and long-term solutions. Gupta said all concerned departments must be more accountable, responsive and better equipped to eliminate negligence and administrative lapses.

Expressing concern over recent incidents, she warned that strict action would be taken against officials found negligent. "No laxity will be tolerated in matters related to public safety," she said.

She directed the Fire Department to enhance manpower, open new fire stations and procure modern equipment, assuring full budgetary support. Departments were also asked to analyse past incidents and develop a robust response framework to minimise casualties.

Gupta emphasised coordinated action, directing the MCD to curb illegal constructions and ensure clear access for fire tenders. Power officials were asked to inspect infrastructure regularly. She added that inputs from departments would shape an effective Master Plan, alongside awareness campaigns and mock drills across Delhi.

Amid recent fire incidents across the city, the Delhi government is preparing a comprehensive Fire Fighting Master Plan to prevent such tragedies and minimise loss of life and property. Chief Minister Rekha Gupta has directed all departments to submit a detailed blueprint within 10 days, identifying causes, vulnerable zones, systemic gaps and preventive measures

CBI busts alleged 'cyber slavery' trafficking racket, raids multiple states

New Delhi.(Agency)

The Central Bureau of Investigation (CBI) has uncovered a suspected organised human trafficking network that lured Indian nationals to Southeast Asian countries under the guise of lucrative overseas employment, officials said on Wednesday.

According to investigators, victims were promised high-paying jobs abroad but were instead transported to scam compounds in countries such as Myanmar and Cambodia. These facilities, allegedly run by transnational cybercrime syndicates, have been described by authorities as hubs of "cyber slavery," where trafficked individuals are forced to engage in online financial fraud.

The probe has revealed that victims were subjected to strict confinement, with their passports confiscated upon arrival. Authorities also documented instances of physical abuse and psychological coercion. In several cases, victims were reportedly forced to contact their families in India to arrange ransom payments in exchange for their release.

As part of the crackdown, the CBI carried out coordinated raids at nine locations across four states, including Mumbai, New Delhi, Lucknow, Kashipur, as well as locations in the Gonda and Saharanpur districts of Uttar Pradesh. The raids followed an extensive nationwide inquiry during which statements from multiple victims were recorded.

Investigators have also conducted a detailed financial probe, including tracking cryptocurrency transactions, to identify and map the network's funding channels. Several electronic devices containing alleged incriminating evidence were seized during the searches.

One individual has been arrested in Lucknow for his suspected role in facilitating the trafficking operations. Preliminary findings suggest that agents involved in the racket received payments from operators of overseas scam compounds in return for supplying Indian nationals.

16% dip, still Delhi tops metro cities with 2.75 lakh criminal cases in 2024

New Delhi.(Agency)

Delhi recorded more than 2.75 lakh criminal cases in 2024, marking a 16 per cent decline compared to 2023. Despite this reduction, the national capital reported the highest number of cases among India's 19 metropolitan cities, which are defined as urban areas with populations exceeding 20 lakh.

The Delhi crime figures, revealed in the latest report of the National Crime Records Bureau (NCRB), are 4.67% of the cases reported nationwide at 58.85 lakh in 2024. According to the data, the national capital had lodged 2,75,402 cases in 2024; 3,23,549 in 2023; and 2,98,988 cases in 2022.

Meanwhile, neighbouring Ghaziabad reported 8,963 cases in 2024, which was 2.9% lower than the cases lodged in 2023. The data showed that the city reported 9,227 cases in 2023 and 9,860 in 2022.

In 2024, the capital saw 13,396 cases related to the crime against women and 504 cases of murder. The city also witnessed 5,580 cases of kidnapping and abduction, while 7,662 cases were reported about crimes against children, 1,833 cases of death by negligence, 82 cases of abetment to suicide, 1,090 cases of grievous hurt, and 64 cases of crimes against foreigners.

The murder cases marginally increased in 2024, as compared to 2023, when 503 such cases were reported, while 501 cases were registered in 2022. There were 50 murder victims who were 18 years old or under it, while 15 were above 60 years old. The maximum number of victims was between the age of 30 and 45 years.

According to the NCRB, Delhi and Uttar Pradesh have provided the citizen friendly service of online registration of FIR under certain category of offences, like vehicle and other thefts. This feature may have increased crime reporting in these states. Consequently, these heads may have become incomparable with similar heads in other cities.

Delhi CM rolls out 13 mobile heat relief units for quick assistance during summers

New Delhi.(Agency)

CM Rekha Gupta on Wednesday flagged off 13 Mobile Heat Relief Units from the Delhi Secretariat to provide immediate assistance to people during the ongoing heatwave and extreme summer conditions. On the occasion, she also released a booklet on the government's 'Heat Action Plan 2026', outlining a detailed strategy to tackle rising temperatures and protect residents across the city.

The Chief Minister said the Delhi government is taking comprehensive, people-centric measures to address the growing threat of heatwaves and ensure timely relief and protection for citizens.

She said this year's Heat Action Plan has been implemented with extensive preparation and coordination, keeping every section of society in mind. Special focus has been placed on protecting vulnerable groups such as daily wage labourers, construction workers, street vendors, the homeless, senior citizens, women and children. The government has also issued guidelines for outdoor and construction workers, advising institutions to halt labour activities between 1 pm and 4 pm and ensure adequate rest breaks. "Protecting the health of workers remains our top priority," she said.

To safeguard children, a 'Water Bell System' has been introduced in schools to encourage regular hydration, while outdoor activities during peak afternoon hours have been suspended. Hospitals and health centres have made special arrangements for heatstroke cases, with over 339 centres stocked with ORS, ice packs .

Delhi police arrests boxer murder accused after eight months on the run

New Delhi.(Agency)

The Delhi Police has arrested a 38-year-old man allegedly involved in the murder of a national-level boxer in outer Delhi last year, an official said on Wednesday.The accused, Sumit Rana alias Chhotu (38), was arrested from Adarsh Nagar after evading arrest for more than eight months in connection with the killing of boxer Vikas Dagar, alias Bhinda, he said. "Rana is a member of the Sonu gang, also known as the 'thekedar gang'. He was wanted in a case registered at Baba Haridas Nagar police station on July 30, 2025," the police officer said.According to the police, Vikas Bhinda, a national-level champion and resident of Nangli Sakrawati in Najafgarh, was shot dead on July 29, 2025, by assailants allegedly acting on a pre-planned conspiracy stemming from an old rivalry. Four accused—Vikas Dahiya, alias Sonu Thekedar, Akash Gahlot, Krishan and Sumit Rana—were involved in the attack in Baba Haridas Nagar area.

Police said Sonu allegedly opened fire at the boxer, who sustained multiple bullet injuries and died on the spot. After the attack, all the accused fled.

"During the investigation, Akash was arrested by the local police, while the remaining accused absconded and were later declared proclaimed offenders by a Delhi court on October 18, 2025," the officer said.On April 12 this year, the Crime Branch arrested gang leader Sonu Thekedar from Chandigarh. Police then traced Rana to Punjab's Zikarpur, but he escaped from there before the raid was conducted. The Crime Branch then got a tip-off and arrested Rana in Adarsh Nagar.

During interrogation, Rana allegedly admitted to his role in the conspiracy and told police that he had been frequently changing hideouts across different states with the help of associates to evade arrest.Police said Rana is a diploma holder in hotel management and had studied and worked in Malaysia between 2016 and 2021 before shifting to Dubai, where he started a trading company.

Pakistan renews proxy war in Punjab? 3 blasts in 10 days raise security concerns

Two IED explosions struck near the BSF headquarters in Jalandhar and Khasa Military Camp in Amritsar within hours on May 5. The blasts have prompted a statewide alert as investigators examine suspected ISI-linked hybrid terror networks.

New Delhi.(Agency)

Punjab witnessed two IED explosions within hours on the night of May 5, 2026, both occurring near sensitive installations — the BSF headquarters in Jalandhar and Khasa Military Camp in Amritsar. These incidents have triggered a statewide high alert and heightened security around border and defence sites, while also pointing to Pakistan ISI's alleged insidious plans for Punjab. Punjab DGP Gaurav Yadav called it an ISI plot to "keep the Punjab pot boiling".

A string of three blasts in under 10 days, including the April 27 Patiala railway track IED attempt, has also pointed to serious security lapses.

A deeper probe shows that Punjab has been hit by a wave of hybrid terror-gangster incidents involving alleged ISI-backed modules, low-level local operatives, and Khalistani extremists. These include the Gurdaspur cop killings in February, the Bhindi Saidan grenade attack in March, the Patiala railway attempt in April, and now the twin May 5 blasts.

While Bhagwant Mann's statement may have triggered a political slugfest, India Today has learnt that central agencies had issued an alert regarding a likely attack on the BSF camp in Jalandhar around the first anniversary of Operation Sindoor on May 7. Hours later, a blast near a scooter at the BSF headquarters in Jalandhar injured one BSF personnel, who suffered splinter injuries to his thigh.

The Khalistan Liberation Army (KLA) claimed responsibility, while Punjab Police believe the outfit is a Sikh extremist organisation with alleged involvement of Pakistan-based gangster Shehzad Bhatti. Police said the attack was carried out in retaliation for the death of 19-year-old Ranjit Singh. The KLA labelled the attack "Operation Nawa Savair," calling it revenge for Singh's death in a controversial police encounter in Gurdaspur, Punjab, on February 25, 2026.

NEWS BOX

"Watcha Want Me To Do? Bust Out Crying": Epstein Note Before Suicide Attempt

World. (Agency)

Jeffrey Epstein's alleged suicide note has finally been revealed, in which the convicted sex offender and paedophile appears to claim that federal investigators "found nothing" against him after months of investigation. The unverified and undated note that was made public this week was first placed on the court docket in a case related to Epstein's former cellmate, who claimed he found it after the millionaire sex offender's first suspected jail suicide attempt days before his death. The barely legible note, which is not signed, appears to read, "They investigated for month -- found nothing!!!"

"So 16-year-old charge results!" the note appeared to read. "It is a treat to be able to choose one's time to say goodbye," it continued. "Watcha want me to do -- bust out crying!! NO FUN -- not worth it!!"

History Of The Note

Few people had known about the note until Epstein's former cellmate, Nicholas Tartaglione, a former police officer serving a life sentence for killing four people, mentioned it last year on writer Jessica Reed Kraus' podcast. Last week, The New York Times reported that the note had been concealed from the public for almost seven years.

Tartaglione claimed he discovered the note in a book after Epstein was found on the floor of their cell at a Manhattan federal jail on July 23, 2019, with a strip of bedsheet around the financier's neck. That was about three weeks before Epstein was found dead in his cell in what authorities concluded was a suicide.

US District Judge Kenneth Karas in White Plains, New York, ordered the release of the note after The New York Times asked him last week to unseal it with other documents in a case involving Tartaglione. The Justice Department did not oppose the request.

Hantavirus Has 38 Strains, Only 1 Spreads To Humans: New Updates In Atlantic Cruise Outbreak

World. (Agency)

In their recent updates, the World Health Organization (WHO) and the South African health authorities have confirmed that the strain of hantavirus responsible for the cluster outbreak aboard cruise ship MV Hondius is the Andes strain. For those unaware, hantavirus is not categorised as an "easily contagious" virus in the same manner as seasonal influenza or other common respiratory ailments. Originating in rodents, the viral infection usually spreads to human only through direct contact. Human-to-human transmission is extremely rare, and this puts the recent updates on the Atlantic cruise ship hantavirus outbreak into a special, if somewhat medically alarming category.

"The preliminary tests show that, indeed, this is the Andes strain," South Africa's health minister Aaron Motsoaledi told a parliament committee yesterday. "And it happens to be the only strain out of the 38 that is known to cause human-to-human transmission. But as we said, we want to repeat again, such transmission is very rare and only happens due to very close contact between people."Unlike pathogens that transmit rapidly through casual social interaction, hantavirus typically requires specific environmental triggers to cross the species barrier. While scientists have identified dozens of hantavirus strains globally, only one specific variant has demonstrated the capacity for person-to-person spread. This distinction serves as the foundation of current health investigations, reinforcing the fact that the specific strain often dictates the level of public threat.

Russia is ramping up its attempts to kill opponents in Europe, intelligence officials say

World.(Agency)

When Vladimir Osechkin wants to take his children to school or go to the supermarket, he calls the police.The Russian activist has lived under protection since 2022 because French officials believe Russia is trying to kill him.

In April 2025, a crew of Russian men staked out Osechkin's home and the surrounding area in southwestern France for several hours, taking videos and photos in suspected groundwork for an assassination, according to court documents seen by The Associated Press that are not public. Several years earlier, Osechkin said, a red dot — which he thought was a laser sight for a gun — appeared on his wall.Elsewhere in Europe, Lithuanian officials disrupted a plot last year to kill a Lithuanian supporter of Ukraine and another against a Russian activist. Officials in Germany have similarly broken up two plots: one to target the head of a German weapons company supplying Ukraine, the other against a Ukrainian military official. Polish authorities arrested a man in 2024 in what they said was a plot to assassinate Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy. And that same year, a Russian helicopter pilot who defected was killed in Spain — with Russian operatives the prime suspects.

While Russian officials have long been accused of silencing the country's enemies abroad, three Western intelligence officials from different countries told AP that a campaign of targeted killings has ramped up since President Vladimir Putin's 2022 invasion of Ukraine.The officials said Russia's security services are now more brazen in their choice of targets, going after Russian activists and foreign supporters.

Iran reviews US peace proposal as Trump says 'they want to make a deal'

Iran is reviewing a fresh US proposal to end the conflict that began on February 28, while both sides weigh a 30-day negotiation framework. The push has stirred market optimism, but deep differences over Tehran's nuclear programme and the Strait of Hormuz remain.

World. (Agency)

Iran is reviewing a fresh US peace proposal aimed at ending the conflict that began on February 28, even as major disagreements remain over Tehran's nuclear programme and control of the Strait of Hormuz.

US President Donald Trump struck an optimistic tone on Wednesday, saying negotiations had made progress over the past 24 hours. "They want to make a deal. We've had very good talks over the last 24 hours, and it's very possible that we'll make a deal," Trump told reporters at the White House.

However, Trump had earlier warned that the US could resume bombing operations if talks collapsed, calling Iran's acceptance of the proposal a "big assumption".According to reports, the proposed one-page memorandum would formally end the war and trigger a 30-day phase of detailed negotiations between Washington and Tehran. The talks would focus on reopening shipping routes through the Strait of Hormuz, easing US sanctions on Iran, and placing restrictions on Tehran's nuclear activities.

However, it remains unclear how the emerging framework differs from the 14-point proposal submitted by Iran last week. Tehran has also not yet officially responded to the latest US proposal.

Despite ongoing diplomatic efforts, Washington and Tehran remain divided

over several core issues, including Iran's nuclear programme and the future of the Strait of Hormuz — a strategic waterway that previously carried nearly a fifth of global oil and gas supplies.Iranian officials responded cautiously to reports of a possible breakthrough. Iranian lawmaker Ebrahim Rezaei described the proposal as "more of an American wish-list than reality", while Parliament Speaker Mohammad Baqer Qalibaf mocked reports suggesting the two sides were close to an agreement.

Negotiations are reportedly being led on the US side by Trump envoy Steve Witkoff and Trump's son-in-law Jared Kushner. If both sides agree to the preliminary framework, broader formal negotiations would begin immediately.

The possibility of a deal sent global oil prices sharply lower, with Brent crude briefly falling to two-week lows before recovering. Global markets also rallied amid hopes that the conflict, which disrupted energy supplies and shipping routes, could soon ease.

JPMorgan offered $1 million to ex-staffer to settle assault claims before lawsuit

World. (Agency)

JPMorgan Chase offered USD 1 million to settle sexual assault, harassment and discrimination allegations raised by former investment banker Chirayu Rana before he filed a lawsuit that has since triggered intense scrutiny across Wall Street, according to a report by The Wall Street Journal. The bank's attempt to resolve the matter privately failed after settlement negotiations broke down, with the former employee reportedly seeking a larger payout.The lawsuit, filed in New York State Supreme Court and later refiled after being briefly withdrawn for corrections, accuses senior JPMorgan executive Lorna Hajdini of sexual assault, coercion, racial harassment and workplace intimidation.

Rana, who initially filed the case under the pseudonym "John Doe," alleges that Hajdini abused her senior position within the bank's leveraged finance division to pressure him into repeated sexual encounters and threaten his career prospects.

According to The Wall Street Journal, JPMorgan made the settlement offer earlier this year in an effort to avoid litigation.Two people familiar with

the negotiations told the publication that the bank offered USD 1 million, but the sides failed to reach an agreement.

Confirming the settlement discussions, JPMorgan spokesperson Brian Marchiony said, "We did try to reach an agreement to avoid the time and expense of litigation and to support an employee who was being threatened with the very reputational harm now unfolding".He added, "We continue to believe these allegations have no merit, and new information raised as a result of the public filing only reinforces that conclusion".News agency Reuters separately reported that the bank reiterated it found no evidence supporting the allegations after an internal investigation involving multiple employees.According to Reuters, JPMorgan said the complainant declined to participate in the probe.

Rana's lawyer, Daniel Kaiser, disputed the bank's position. "In my 30-plus year career as an employment litigator I have never had an employer defendant make such a substantial offer if they truly believed the allegations to be a 'complete fabrication," he said, according to Reuters.

Jeffrey Epstein's purported suicide note unsealed years after jail death

World.(Agency)

A handwritten note, purportedly a suicide note, allegedly written by late financier and convicted sex offender Jeffrey Epstein has been made public by a federal court in New York, years after his death inside a Manhattan jail cell sparked global scrutiny and conspiracy theories.The note was unsealed by US District Judge Kenneth Karas after The New York Times sought its release. According to court filings, the document was allegedly discovered in 2019 by Epstein's former cellmate, Nicholas Tartaglione — a former police officer and convicted murderer now serving multiple life sentences. Tartaglione and Epstein briefly shared a jail cell weeks before Epstein's death.

The handwritten message contains several emotional and defiant remarks. "They investigated me for months — FOUND NOTHING!!!" the note begins, before referring to charges dating back years. "It is a treat to be able to choose one's time to say goodbye," it continues. "Watcha want me to do — Bust out cryin!!" the note adds, before ending with "NO FUN" and underlined words "NOT WORTH IT!!"

The judge clarified that releasing the document did not amount to verifying whether the note was authentic or confirming how it was handled after being found. Instead, the court ruled that the document had become part of judicial proceedings and therefore fell under public access rules.

The note reportedly surfaced after an earlier jail incident in July 2019, when Epstein was found injured in his cell with marks on his neck in what authorities later described as an apparent suicide attempt. He died weeks later, on August 10, 2019, in a separate incident officially ruled a suicide.

Epstein had been awaiting trial on federal sex trafficking charges involving underage girls at the time of his death. His arrest in 2019 revived scrutiny over his links to powerful political, business and celebrity figures.

China Rolls Out J-35AE Stealth Jet As F-35 Rival, Pak May Be First Buyer

World.(Agency)

China has built a stealth fighter not just for its own forces but for foreign buyers eyeing a cheaper alternative to Western jets. The aircraft, an export-specific offshoot of the fifth-generation J-35 multi-role stealth fighter jet, is now being positioned as a direct challenger to the US-made F-35 Lightning II. Pakistan is likely to be the first in line to be a customer.

The timing is notable, landing almost exactly a year after Operation Sindoor triggered high-stakes aerial clashes between India and Pakistan.

While earlier glimpses of the J-35A were limited to a scale display at the Paris Air Show, fresh visuals suggest China has moved beyond

prototypes. State broadcaster China Central Television recently aired footage of a fully assembled jet, serial number 001, emerging from a hangar during the "2026 May 1st International Labour Day 'Heart to Heart' Special Programme".

The aircraft carried the branding of the Aviation Industry Corporation of China instead of air force markings, signalling its export role. According to the South China Morning Post, this is the first time a combat-ready export variant, labelled J-35AE, has been publicly shown in full form.

The J-35 programme marks China's second attempt at fielding a fifth-generation stealth fighter after the J-20. Developed by the Shenyang Aircraft Corporation, the platform combines twin engines with internal weapons storage and advanced radar .

Israel bombs Beirut 1st time since ceasefire, says Hezbollah's Radwan chief killed

In a joint statement with Defence Minister Israel Katz, Netanyahu said the strike was ordered to "neutralize" the commander. Israeli media reported that the commander was killed.

World.(Agency)

Israel carried out airstrikes in Beirut on Wednesday for the first time since a ceasefire with Hezbollah took effect last month. Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu confirmed the operation targeted a senior commander from Hezbollah's elite Radwan Force.In a joint statement with Defence Minister Israel Katz, Netanyahu said the strike was ordered to "neutralize" the commander. Israeli officials later said that the Radwan Force chief, along with his deputy and several terrorists who were with them, were killed. However, there was no immediate confirmation from the military or Hezbollah. The strike marks a sharp escalation after the US-mediated ceasefire, which had halted Israeli attacks on Beirut.

Iran has demanded a pause in Beirut strikes to establish peace in the Middle East. The latest strike comes at a time when the US and Iran are inching towards progress in talks.

STRIKES CONTINUE ACROSS LEBANON

While the ceasefire remains formally in place, Israeli forces have continued operations in southern Lebanon. Lebanese authorities said Israeli attacks

across southern Lebanon and the Bekaa Valley killed at least 13 people during the day.In Khirbet Selm, two people were killed and one injured in a raid. Another two were killed in Tyre after a strike targeted a vehicle on the al-Haday road between Wadi Jilo and Tirdaba. In Siksikiyah, five civilians were killed and 15 wounded in an airstrike.

Lebanon's Health Ministry earlier reported additional casualties in the town of Zelaya, including two women and an elderly man. Israeli drones were also reported over Beirut again, after a period of absence following the ceasefire.

HEZBOLLAH STRIKES BACK

The Israel Defense Forces said Hezbollah launched explosive drones and rockets at Israeli troops in southern Lebanon, injuring two soldiers. The military also said it intercepted a hostile aircraft before it entered Israeli airspace and carried out further strikes on Hezbollah-linked sites. Hezbollah said it targeted multiple Israeli positions in response to civilian deaths.Diplomatic efforts between Israel and Lebanon are limited. Talks have continued at the ambassador level, but progress towards higher-level engagement appears slow. Lebanese Prime Minister Nawaf Salam said it was "premature" to expect any senior-level meetings.

NEWS BOX

Virat Kohli pays tribute to U-19 teammate Amanpreet Singh Gill after he dies at 36

New Delhi. (Agency)

Virat Kohli paid a heartfelt tribute to his U-19 teammate and former Punjab medium pacer Amanpreet Singh Gill, who died at the age of 36 on Wednesday, May 6. Gill's untimely death has left the cricket fraternity in mourning.Gill, a former Under-19 teammate of Virat Kohli, represented Punjab in six first-class games, claiming 11 wickets during his stint. He was also part of the Kings XI Punjab squad in the inaugural IPL season and later contributed off the field as a member of Punjab's senior selection panel. The reason

for his death is still unknown.

Kohli took to X to say he was shocked and saddened by Gill's passing and sent his condolences to the former pacer's family.

"Shocked and saddened to hear about Amanpreet Gill's passing. Sending prayers and strength to his family and loved ones. Rest in peace. Om Shanti," tweeted Kohli.

YUVRAJ, PBKS LEAD THE WAY WITH TRIBUTES FOR GILL

Indian legend Yuvraj Singh and Punjab Kings also sent their tributes to Gill. Yuvraj recalled his time sharing the dressing room with Gill and called him a hardworking cricketer who loved the game.

"Deeply saddened to hear about Amanpreet Singh Gill's passing. Shared the dressing room in our early days, he was a quiet, hardworking cricketer who loved the game. My heartfelt condolences to his family and loved ones. Rest in peace Om Shanti," Singh posted on X.

PBKS paid tribute to their former player in a heartfelt post."Deeply saddened by the passing of Amanpreet Singh Shergill, who proudly represented Punjab and was a part of the Punjab Kings family. Our heartfelt condolences to his family, friends, and the entire cricketing fraternity," Punjab Kings posted on their official Instagram account.

Gill featured in five Youth ODIs and a single Youth Test for India in 2007. In that lone longer-format appearance, he dismissed former Sri Lanka all-rounder Thisara Perera.

Resilient PSG edge past Bayern Munich to reach 2nd consecutive Champions League final

New Delhi. (Agency)

Defending champions Paris Saint-Germain survived a late scare at the Allianz Arena to book their place in the UEFA Champions League final, battling to a tense 1-1 draw against Bayern Munich on Wednesday night and sealing a dramatic 6-5 aggregate victory.

After the chaos and attacking fireworks of the first leg, the return fixture turned into a far more tactical and nervy affair, with PSG forced to dig deep under relentless Bayern pressure for long stretches of the contest. The French side could not have asked for a better start. Just three minutes into the match, Ousmane Dembele struck yet again, continuing his sensational European form. A perfectly weighted cutback from Khvicha Kvaratskhelia found Dembele in space, and the forward made no mistake, rifling his effort past Manuel Neuer to stun the home crowd and extend PSG's aggregate lead.

That early goal only intensified Bayern's urgency. The German champions poured forward almost immediately, pinning PSG deep inside their own half as they searched desperately for a route back into the tie. Michael Olise and Luis Diaz both came close with efforts from distance, but neither could find the precision required.

Despite Bayern's dominance in possession, it was Neuer who had to keep his side alive midway through the first half. The veteran goalkeeper reacted brilliantly to push away a dangerous header from Joao Neves, preventing PSG from tightening their grip on the tie even further.

At the other end, PSG goalkeeper Matvei Safonov produced a stunning save of his own just before halftime, denying Jamal Musiala from close range as Bayern's frustration continued to grow.

BAYERN ATTACKS, PSG STAY COMPACT

The second half followed a familiar pattern. Bayern pushed numbers forward with increasing desperation while PSG sat compact, absorbed pressure and looked dangerous every time they broke on the counterattack. As spaces began to open up late in the game, PSG nearly delivered the knockout blow through Desire Doue and Kvaratskhelia, but Bayern somehow stayed alive.

SRH vs PBKS: How did Hyderabad plot to stop Punjab's dangerman Priyansh Arya?

SRH vs PBKS: Pat Cummins dismissed Arya with a well-directed short ball as SRH assistant coach James Franklin revealed Hyderabad had specifically planned around the PBKS opener's preferred scoring areas.

Hyderabad. (Agency)

Sunrisers Hyderabad assistant coach James Franklin revealed the detailed planning that went into dismissing Punjab Kings opener Priyansh Arya early, saying skipper Pat Cummins and the SRH bowling group had specifically targeted the batter's preference for the pull shot.Arya, who has emerged as one of Punjab Kings' most dangerous top-order batters this season, was undone by Cummins with a short ball outside off stump during Sunrisers Hyderabad's commanding 41-run win in the IPL on Wednesday.According to Franklin, the dismissal was far from accidental."I think it was a little bit pre-planned. Obviously, the bowlers do a lot of work with Varon Aaron, our bowling coach," Franklin said after the match."Sometimes, you don't necessarily have to bowl the ball the field is expecting. We saw the ball before that. He bowled a pretty good delivery, got good bounce on a similar line, and he obviously caught him off guard a little bit. He executed a similar delivery again and created the opportunity."

Bowlers exploited Arya's scoring preference

Franklin said modern T20 cricket demanded a deep understanding of opposition batters' scoring patterns and tendencies, particularly in a high-scoring competition like the IPL.

"You know the strengths and weaknesses of the opposition batters. Obviously, all our bowlers are well across it, and Pat was able to expose that, create an opportunity, and we got that first breakthrough," he added.The tactical dismissal set the tone for a strong SRH performance as the hosts climbed to the top of the points table.

Earlier, Heinrich Klaasen and Ishan Kishan punished Punjab Kings' sloppy fielding to propel Hyderabad to an imposing 235 for four after PBKS opted to bowl first.Klaasen smashed 69 off 43 balls despite being dropped on nine, while Kishan survived two reprieves to hammer 55 from 32 deliveries.

Punjab Kings never truly recovered in the chase despite a sensational unbeaten 107 from Cooper Connolly. The left-hander fought a lone battle with seven fours and eight sixes, but lacked support from the other end as Punjab were restricted to 202 for seven.Cummins returned figures of 2 for 34, while Shivang Kumar also picked up two wickets to complete a comprehensive victory for Hyderabad.

Why Cooper Connolly's SRH hundred meant more than just runs: PBKS spin coach explains

New Delhi. (Agency)

Cooper Connolly came into the IPL without a lot of hype around him apart from his exploits in the Big Bash League. However, just like his idol Shaun Marsh did for the franchise during his time in the competition, Connolly has quickly established himself as a run-machine for Punjab.Bought for Rs. 3 Cr, Connolly has filled up the void left by Josh Inglis at No.3 and has scored 377 runs in 10 matches at a strike-rate of 171.36 and an average of 53.86. His latest outing saw him score a fighting 107 for PBKS in their loss to SRH.Speaking at the press conference after the game, the PBKS spin-bowling coach Sairaj Bahutule said that Connolly has a good head on his shoulders and tipped him for success with

the Australian team.

"He is somebody who's very positive and he's a great potential," Bahutule said in the press conference. "Definitely he'll play a long period for Australia. He's a very good allrounder in the making, fabulous fielder. And he's got a good head on his shoulders."

WHY WAS CONNOLLY'S KNOCK SPECIAL?

While Connolly doesn't get mentioned alongside the likes of Priyansh Arya, Prabhsimran Singh and PBKS captain Shreyas Iyer for their destructive batting, the southpaw played one of the best knocks of his career on Wednesday, May 6.But at the Uppal, Priyansh, Prabhsimran and Iyer contributed just 9 runs from 12 balls in the chase, Connolly fought till the very end. This ensured that the margin of the loss was less in the end and it didn't take a big toll on PBKS' net run-rate.Bahutule was happy to see how well Connolly has adapted to Indian conditions and playing in the IPL."He's a team man," Bahutule said. "For today's conditions, we knew at some stage [that] it was a losing cause, but he just made sure that the momentum is on and see how we can get closer to the total.

Instagram models get more importance than us: Satwiksairaj Rankireddy

New Delhi. (Agency)

"I do not get support from my government (Andhra Pradesh), I do not get support from anywhere. I am all alone in this. I went a little crack on that day and I spoke out. I am not normally like this."

Somewhere between the spectrum of grief and irritation, India's badminton star Satwiksairaj Rankireddy vented his frustrations in an interview with India Today, a day after returning from India's Thomas Cup campaign. India beat Chinese Taipei to win the bronze medal in the tournament, before getting knocked out by France in the semi-finals. This was India's second medal finish in three editions of the tournament, the first one being a historic gold in 2022, a campaign that Satwik and his doubles partner Chirag Shetty were a huge part of.

A call that was scheduled to be for 15 minutes, turned into a 45-minute long chat where Satwik constantly spoke about how little the ecosystem offers to sportspersons in India, who travel across the world in the pursuit of excellence and to make their country proud.

After returning to India, Satwiksairaj Rankireddy sparked a massive social media storm when he put up an Instagram story. The said story reflected the sorry state of affairs that is sports in India, where not a single member of the badminton association or the government went to the airport to receive the bronze medal-winning contingent, which had just returned from Denmark.

"Back home now. As usual, no one knows what happened over the past two weeks, and it seems like no one really cares," Satwik wrote on his story.

THE INVISIBLE CHAMPIONS

An aggrieved Satwik, who is part of the most successful doubles pair in the history of Indian badminton alongside Chirag, asked India Today if it was too much to ask for a little care from the citizens of the country, the officials and the sporting ecosystem. For a pair that has scaled the summit of the BWF rankings, the anonymity of an immigration queue becomes a jarring reminder of where they stand in the Indian sporting hierarchy.

David Warner charged with drunk-driving, admits he made a reckless, foolish decision

New Delhi. (Agency)

Former Australian cricketer David Warner has been charged with mid-range drink driving after allegedly recording a blood alcohol reading more than twice the legal limit in Sydney, according to Australian Associated Press.

Police stopped Warner on April 5 before taking him to a station in Sydney's eastern suburbs, where the 39-year-old allegedly returned a blood alcohol concentration reading of 0.104.

The former Australia opener and current Sydney Thunder captain in the Big Bash League did not appear in court on Thursday when the matter was first mentioned and adjourned until June 24.Outside court, Warner's lawyer Bobby Hill said the cricketer accepted responsibility for his actions and intended to enter a guilty plea at a later date."He knows what he did was wrong," Hill said."He accepts that was a reckless decision, a foolish decision to get in his car instead of taking an Uber."Hill said Warner had consumed three glasses of wine at a friend's apartment on Easter Sunday before

deciding to drive.

"It's not a crime to have a glass of wine on the day of the lord's resurrection. In fact, some would consider that completely appropriate," he told reporters.

"His crime is, as I said, choosing a foolish plan A instead of a plan B."

The lawyer also claimed Warner consumed his last drink 11 minutes before he was stopped by police and alleged there was a 52-minute delay before the secondary breath test was conducted.

Hill said Warner was remorseful and expected to face the same punishment as any other citizen in New South Wales, the Australian state where Sydney is located.

"This case before the court is a reminder to everyone in the public about the dangers of self-assessments," Hill said."I know David is looking forward to putting this matter behind him and focusing his efforts on re-contributing to those people in the community."The charge has also cast doubt over Warner's future as captain of Sydney Thunder.

"The allegations are of course concerning and we take them very seriously," Cricket NSW chief executive Lee Germon said after Warner's arrest.

RCB under pressure to push for top-two spot in IPL playoffs as LSG stand in their way

IPL 2026: RCB will look to capitalise on a timely break and pile more pressure on an unsettled LSG side, with both teams heading into a crucial IPL 2026 clash in Lucknow.

Raipur. (Agency)

Defending champions Royal Challengers Bengaluru have the perfect opportunity to end Lucknow Super Giants' fading playoff hopes when the two sides meet at the Ekana Cricket Stadium in Lucknow on Thursday.

With the playoff race entering its decisive phase, RCB will know there is little room to ease off now. SRH's big win over PBKS on May 6 and the playoff schedule, announced on Wednesday, has only raised the stakes further, with the winner of Qualifier 1 set to enjoy a crucial break before the final.

That makes every point even more valuable, especially for a side like RCB that remains firmly in the hunt. Against an LSG side that has struggled for consistency and sits on the brink of elimination, Bengaluru have a chance not only to strengthen their own position but also deal a major blow to a direct rival.

CAN RCB TAKE ADVANTAGE OF THEIR BREAK?

Royal Challengers Bengaluru head into Thursday's clash with a valuable edge, having enjoyed a week-long break before taking on Lucknow Super Giants.At this stage of the tournament, that gap could prove

crucial. With teams juggling travel, fatigue and mounting pressure, RCB have had the rare luxury of time to reset, recover and regroup after their defeat to Gujarat Titans.

That break should allow Bengaluru to iron out the issues that led to their batting collapse in Ahmedabad, while also giving key players time to recharge ahead of a critical stretch in the playoff race.

It could also prove especially useful for players carrying minor niggles, with RCB likely to benefit from the extra recovery time after a packed run of fixtures.Against an LSG side coming off another draining defeat and still searching for answers, RCB will know this is a chance to strike with fresher legs and clearer minds.With the playoff race tightening, Bengaluru cannot afford to let that advantage go to waste.

CAN LSG FIGURE THEMSELVES OUT?

Lucknow Super Giants head into another must-win game still searching for clarity, particularly with the bat.

Since Josh Inglis returned to the side, LSG have leaned heavily on their overseas batting core, but the constant reshuffling has only added to the uncertainty. Inglis has been pushed up to open, Nicholas Pooran has been moved back to No. 3 and the middle order has continued to shift around them, leaving the batting unit without much stability.

Huma Qureshi

Dodges 'Shaadi Kab Hai' Question While Outing With Beau Rachit Singh

Huma Qureshi and actor-acting coach Rachit Singh have been in the headlines for quite some time, with reports circulating about their marriage. The duo was recently spotted together in Mumbai on Tuesday, May 5, when paparazzi questioned them about the ongoing rumours.Several photos and videos from their appearance are circulating online, where Rachit and Huma Qureshi are seen happily posing for the paparazzi together. As camerapersons stationed at the location asked Huma, "Ma'am, shaadi kab hai aapki?", she reacted with a smile while ignoring the questions completely. After posing for pictures together, the duo was seen leaving the location in the same car.

Huma Qureshi to marry Rachit Singh in 2026?

A source told Hindustan Times, "They are planning an October-end or November wedding as of now. The preparations have begun." The celebrations are expected to reflect Huma's personal style—simple, warm, and close-knit. Sharing more details, the source added, "Knowing Huma, she will have a good, intimate wedding and then throw a reception for the industry. Maybe not a lavish wedding, but something that only her close friends and family will attend, followed by a big reception. As of now, it is most likely looking like Mumbai."

Speculation about their relationship had been growing for a while. The two were spotted together at a screening of Thamma and later attended Sonakshi Sinha's wedding, which caught attention. Speaking about the proposal, a source had shared, "Huma and Rachit have been going strong for a while as a couple and, on Sunday, he proposed to her in an intimate setting, and she said yes. It was a close-knit affair that took place in the US. They are yet to decide when they want to make it official by announcing it publicly."

What's Next For Huma Qureshi?

The actress is all set to captivate audiences in Geetu Mohandas's directorial Toxic: A Fairy Tale For Grownups. The film will see her taking on an antagonist role for the second time after Delhi Crime. The action thriller, headlined by Yash, brings together an ensemble cast including Nayanthara, Kiara Advani, Tara Sutaria, Rukmini Vasanth, and Sudev Nair.

Alia Bhatt

Begins Shooting For Sohum Shah's Tumbbad 2? Here's What We Know

In an exciting development for fans of the Tumbbad universe, Alia Bhatt is reportedly set to join the cast of its much-anticipated sequel, Tumbbad 2. According to a report by Pinkvilla, the actress has already begun shooting for the film and will be seen in a significant role despite a relatively short schedule. Sources suggest that Alia Bhatt has been roped in for a powerful character that will be filmed over an intensive 20-day shoot.

Pinkvilla quoted a source saying, "Alia has a power-packed role in Tumbbad 2. While it's a 20-day shoot, the character is extremely important and directly sets up the events of the third film. She loved the script, and it was a no-brainer for her."

Earlier, Mid-Day reported that the makers have roped in Alia Bhatt for a cameo role in the folk horror film. Even though her screen time will be short, the report suggests that it is a very pivotal role in the story. A source told the portal, "The makers needed someone who brings gravitas and intrigue in a short screen time. Alia fit that space."

It is also being said that Alia will shoot for the film on May 3 before heading to the US for the Met Gala on May 4. The source further added, "The shoot is tightly planned with an elaborate set constructed in Madh Island. Alia will shoot for two days in all. Since she is making an appearance at the Met Gala on May 4, the makers have brought a double for some patch scenes." However, the makers are yet to

officially announce her addition.Director Adesh Prasad's sequel is set to delve deeper into the dark, cursed mythology surrounding the deity Hastar, expanding on the eerie lore established in the first film. It will explore the dangerous consequences of awakening forces that were never meant to be worshipped, promising a more intense and unsettling narrative that builds on the original's haunting premise.

'This One's Been Special': Akshay Kumar Wraps Up Kerala Schedule For Anees Bazmee's Next

Akshay Kumar has wrapped up the Kerala schedule of his upcoming film with director Anees Bazmee, and the actor marked the milestone with a heartfelt social media post. Sharing a cheerful picture with co-stars Vidya Balan and Raashi Khanna, Akshay treated fans with a new photo. While details about the film are still under wraps, the collaboration between Akshay Kumar and Anees Bazmee has already generated considerable buzz.Taking to his Instagram handle, Akshay Kumar shared the photo from the airport. He is seen posing with Vidya Balan and Raashi Khanna. 'Keralam schedule wrapped! Nothing beats working with good people in a beautiful place. Big love to our director Anees Bazmee for the madness behind the camera and to my incredible co-stars Vidya, Raashii, Chota Rajpal and the entire crew! This one's been special," reads the caption. Fans immediately reacted. One of the fans wrote, "Can't wait for the movie". Another wrote, "Happy to see you raasi Khanna with akshay kumar."

Akshay Kumar And Vidya Balan Kick Off Kerala Schedule For Anees Bazmee's Next In April, the actor and Vidya Balan have officially kicked off the next schedule of their upcoming film with director Anees Bazmee, as the team heads to Kerala for an extensive shoot. The development was confirmed by Akshay himself, who shared a video on social media, giving fans a glimpse of the journey. Taking to his Instagram handle, Akshay Kumar shared a video from the runway where he is seen walking with Vidya Balan. Both are enjoying and talking as they get on the plane. He confirmed his next with Anees Bazmee's film, "Next stop: God's own country, the magical Keralam. Anees Bazmi's next is my fourth film with the ever fabulous @balanvidya and I hope the good luck charm of our jodi continues." Akshay Kumar and Vidya Balan have worked together in Heyy Baby, Mission Mangal, Bhool Bhulaiyaa.

As Pregnant Deepika Padukone Shoots Shah Rukh Khan's King, Ranveer Singh Slows Down And Looks After Dua

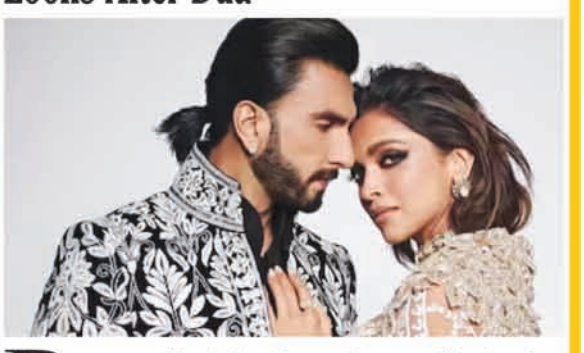

Ranveer Singh has kept a low profile despite the smashing success of Aditya Dhar-directed Dhurandhar and Dhurandhar 2. He has made fewer public appearances and has barely made any statements. All eyes are also on the actor as fans anticipate the announcement of his next film, Pralay. But where is Ranveer Singh? Reportedly, Ranveer Singh is taking it slow and spending time with his daughter, Dua, as Deepika Padukone resumes King's shoot.

Ranveer Singh Spends Time With Dua

A source close to the production of King said, "It's nice to see how supportive Ranveer Singh and Deepika Padukone are to each other. While Deepika has been busy shooting for King in South Africa, Ranveer, even after ground-breaking success and putting together Pralay, is spending time with his little Dua. While Dua's mommy is filming, he's taking care of her."

The insider also added, "He's being present and hands-on. Dua has been his lucky charm with 3 Ds (Deepika, Dua, Dhurandhar) changing his life. There are still a few days of shoot left, but after delivering Dhurandhar, Ranveer has chosen to be away from the spotlight, which is surprising."

Deepika Padukone, Shah Rukh Khan's Videos Leak From King Shoot

Meanwhile, Deepika Padukone, who is expecting her second child with Ranveer Singh, has decided to work through her pregnancy. She is currently in South Africa shooting for King with Shah Rukh Khan. Their visuals have previously been leaked online and have gone viral. The latest video shows the two actors filming a romantic sequence on a beach during sunset in South Africa.

In the clip, Deepika Padukone is seen in a white dress, while Shah Rukh Khan appears in a striped shirt paired with black trousers. The two were shooting by the water, with the scene suggesting a romantic moment between their characters. The setting and visuals point to a song or emotional sequence, although no official details about the scene have been released.Earlier, leaked photos showed Shah Rukh and Deepika walking hand in hand, possibly during a song shoot. In those pictures, Deepika wore a floral gown, while Shah Rukh appeared in a printed shirt with salt-and-pepper hair. Another video featured Shah Rukh standing on a staircase, turning back to offer his hand to Deepika during a break between takes.